www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | देश-विदेश

RNI NO.CHHHIN/2012/41806 रायपुर, बुधवार 6 जुलाई 2022, शुक्ल पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-11 अंक-133 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

छोटे-छोटे कुछ सपने थे सब सजा लिया
जब सपने महंगे हो गए
कलम से कर्जा लिया।

आज बेबाक

एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने भविष्यवाणी की है कि महाराष्ट्र में बनी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली साझा सरकार छह माह के भीतर गिर जाएगी। इसके पहले जब अल्पमत में आ चुकी उद्धव ठाकरे की सरकार गिरने वाली थी और यह अंधे को भी दिख रहा था तब शरद पवार ने यह दावा किया था कि महाअघाड़ी सरकार नहीं गिरेगी वह पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी। जिसका दावा खोखला निकला उसकी भविष्यवाणी पर भला कौन भरोसा करेगा? दरअसल ऐसी बेतूकी बयानबाजी कर शरद पवार खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचे वाली कहावत को ही चरितार्थ कर रहे है।

सूर्योदय

उदय : 5.28 प्रातः

अस्त : 6.55 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,950,577,457

भारत : 1,504,556,754

बाजार

संसेक्स : 52682.89

निफ्टी : 15,793.40

गोल्ड : 52411 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 58013 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 5.12 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	33.7	25.4
बिलासपुर	36.6	26.0
जगदलपुर	35.8	23.5
अंबिकापुर	28.7	24.4

आज का दिवस

विश्व जूनोसिस दिवस : हर साल हमने 6 जुलाई को विश्व जूनोसिस दिवस मनाया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम इस दिन को क्यों मनाते हैं और जूनोसिस दिवस का क्या मतलब है? आज हम इस लेख के माध्यम से बताएँगे कि आखिर क्या है Zoonoses और क्यों विश्व जूनोसिस दिवस हर साल 6 जून को मनाया जाता है. Zoonoses जानवरों से मनुष्यों में और इसके विपरीत फैलने वाली बीमारी है. वायरस, बैक्टीरिया, कवक, परजीवी और मच्छरों से प्रेरित जूनोटिक रोग. जूनोटिक रोग के कुछ उदाहरण इबोला, स्वाइन फ्लू, एन्सेफलाइटिस, कोविड 19 आदि हैं. सबसे घातक वायरस जो इन दिनों पूरी दुनिया के लिए संकट बना हुआ है - कोविड 19 भी एक जूनोटिक रोग है. WHO के अनुसार विश्व स्तर पर, बीमारी के लगभग एक बिलियन मामले, और लाखों मौतें हर साल zoonoses से होती हैं और, 60% उभरती संक्रामक बीमारियाँ zoonoses हैं

जीपीएम में प्रारंभ होगा विश्वविद्यालय का कौशल विकास केन्द्र

■ क्षेत्रीय वन उत्पाद की होगी ब्रांडिंग, स्वरोजगार के मिलेंगे अवसर

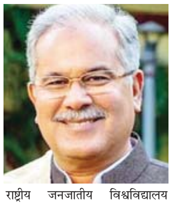

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सर्किट हाउस में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के आजीविका व्यापार प्रशिक्षण केन्द्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के बीच एमओयू हुआ। इसके अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक सामुदायिक केन्द्र या कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जिले के ग्राम लालपुर में 3 हेक्टेयर भूमि आबंटित कर दी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए एक बहुत अच्छा अवसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह एमओयू न सिर्फ विश्वविद्यालय के हित में कार्य करेगा, बल्कि यहां के स्थानीय युवाओं और जनजातीय क्षेत्रों के उन्नयन के लिए कार्य करेगा। इसके लिए राज्य शासन हर संभव मदद करेगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रोफेसर प्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह एमओयू मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

विभिन्न ट्रेड्स में किया जाएगा प्रशिक्षित

इसका उद्देश्य जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व सहायता समूह की महिलाओं, ग्रामीणों एवं युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी, व्यवसायपरक शिक्षा प्रदान कर उन्हे आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न विधाओं में पारंगत कर जनजातीय उन्नयन की दिशा में कार्य करना है। लाइवलीहुड बिजनेस इन्क्यूबेशन (एलबीआई) के समेकित प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय जनजातियों एवं किसानों को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षित किया जायेगा।

डिप्लोमा व डिग्री प्रोग्राम संचालित होंगे

विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित केन्द्र द्वारा डिप्लोमा तथा डिग्री प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे, जिसमें नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क के अनुकूल एवं गाइड लाईन के अनुसार विभिन्न रोजगार उन्मुख ई कौशल पाठ्यक्रम शामिल रहेंगे। साथ ही इस केन्द्र के सहयोग से स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को मार्केट लिंकेज तथा क्रेडिट लिंकेज की सेवा प्रदान की जाएगी।

अब नौसेना में दिखेगी बेटियों की ताकत

अग्निपथ के तहत 20 फीसदी महिलाओं को मौका

नई दिल्ली (ए.)। सरकार ने अग्निपथ योजना के विरोध के बीच ही भर्ती के नोटिफिकेशन जारी कर दिए थे। इस स्कीम के तहत तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन कर रहे हैं। भारतीय नौसेना की तरफ से मंगलवार को कहा गया कि अग्निपथ के तहत 20 फीसदी भर्तियां महिलाओं की की जाएगी। एक नौसेना अधिकारी ने बताया कि इन अग्निवीरों को समूद्री रक्षा बल की अलग-अलग ब्रांच में भेजा जाएगा।

नौसेना ने 1 जुलाई से ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि अब तक 10 हजार से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन किए हैं। अधिकारियों ने कहा, नेवी में अग्निपथ योजना जेंडर न्यूट्रल है। अब भी हमारे यहां युद्धपोतों पर 30 महिला अधिकारी लीड करती हैं। जिन ब्रांचों में महिला अग्निवीरों को पोस्ट किया जाएगा उनमें ऑर्डनैंस, इलेक्ट्रिकल ऐंड नेवल एयर मकैनिक्स, कम्युनिकेशन ऐंड कम्युनिकेशन वारफेयर, गनरी वेपन्स ऐंड सेंसर्स शामिल हैं।

पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कि वॉरशिप पर तैनात करने के लिए ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मोदी 'अग्रदूत' समाचार पत्र समूह के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 'अग्रदूत' समाचार पत्र समूह के स्वर्ण जयंती समारोह का ऑन लाइन उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी छह जुलाई को शाम साढ़े चार बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस समारोह का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा उपस्थित रहेंगे। वह 'अग्रदूत' की स्वर्ण जयंती समारोह समिति के मुख्य संरक्षक हैं। पीएमओ के अनुसार 'अग्रदूत' की शुरुआत असमिया भाषा में एक द्वि-साप्ताहिक के रूप में हुई थी। इसकी स्थापना असम के वरिष्ठ पत्रकार कनक सेन डेका ने की थी। वर्ष 1995 में इसका नियमित दैनिक समाचार पत्र के रूप में प्रकाशन शुरू हुआ। इसने असम की एक विश्वसनीय एवं प्रभावशाली आवाज के रूप में अपनी पहचान बनायी है।

जी न्यूज के एंकर की गिरफ्तारी को लेकर छग पुलिस से भिड़ी यूपी पुलिस

नई दिल्ली/रायपुर (ए.)। जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान को तोड़ मरोड़ कर दिखाने के आरोप में छत्तीसगढ़ पुलिस गिरफ्तार करने पहुंची थी। उससे पहले उन्हें नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छत्तीसगढ़ पुलिस के पहुंचने पर रोहित रंजन ने अपनी सोशल मीडिया हैंडल से इसकी जानकारी दी तो लोग कई तरह के रिएक्शन देने लगे।

रोहित रंजन ने बताई यह बात : एंकर ने अपनी सोशल मीडिया हैंडल से जानकारी दी कि बिना लोकल पुलिस को जानकारी दिए छत्तीसगढ़ पुलिस मेरे घर के बाहर मुझे अरेस्ट करने के लिए खड़ी है, क्या ये कानूनन सही है? रोहित रंजन की गिरफ्तारी पर लोग कई तरह के कमेंट करने में लगे हुए हैं। वहीं कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तंज कसते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सुशांत सिन्हा ने किया ऐसा कमेंट : टाइम्स नाउ नवभारत चैनल के एंकर सुशांत सिन्हा ने रोहित रंजन के ट्वीट पर कमेंट किया, 'जिस पार्टी के नेता कोर्ट में जाकर माफी मांगते हों उस पार्टी के नए नवेली ज़िम्मेदारी संभाले वीरों को लगता है कि एंकर का अगले ही दिन माफी मांगना काफी नहीं। ऐसे सीटें न बढ़ने वाली बॉस। उल्टे जनता को और यकीन हो जाएगा कि इमेरजेंसी से अब तक आपकी सोच पत्रकारों को जेल में डालनेवाली ही है।'

कांग्रेस नेताओं के बयान : कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने रोहित रंजन के ट्वीट पर लिखा कि करता था सो क्यों किया? अब काहे बिलबिलाए। बोया पेड़ बबूल का आम कहां से खाए। कांग्रेस नेत्री नताशा शर्मा लिखती हैं - रोहित रंजन गिरफ्तार, बाकी सारी गोदी मीडिया सोच के करना कांग्रेस पर वार।

वास्तु शास्त्री चंद्रशेखर की हत्या

■ आरोपियों की हुई पहचान

हुबली (ए.)। कर्नाटक के हुबली में एक होटल में मंगलवार सुबह 'सरल वास्तु' फेम चंद्रशेखर गुरुजी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. इसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि होटल के रिसेप्शन पर दो लोग उन्हें चाकू मार रहे हैं.

वहीं पुलिस को आशंका है कि चंद्रशेखर गुरुजी शहर के पेसिडेंट होटल में कारोबार के सिलसिले में किसी से मिलने आए थे. इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है.

पुलिस के मुताबिक बागलकोट के रहने वाले वास्तु विशेषज्ञ ने एक ठेकेदार के रूप में अपना करियर शुरू किया था. हालांकि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चीनी मोबाइल कंपनी वीवो पर ईडी का बड़ा एक्शन, रायपुर समेत 44 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली/रायपुर (ए.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चीनी मोबाइल फोन निर्माता कंपनी वीवो और उससे जुड़ी अन्य कंपनियों पर छापा मारा है। मंगलवार को ईडी की टीम ने देशभर में वीवो के 44 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की है। एक टीम छत्तीसगढ़ की राजधानी भी पहुंची थी। यहां देर शाम तक छापेमारी जारी थी। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में ईडी की तरफ से यह कार्रवाई अचानक की गई है।

दरअसल, ईडी की तरफ से यह कार्रवाई वीवो और उससे संबंधित कंपनियों या फर्मों पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। जांच एजेंसी सीबीआई इस मामले में पहले से ही जांच कर रही है। सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि छापेमारी अभी भी जारी है और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसी मामले में कंपनी से पहले ही काफी वसूली की जा चुकी है।

कुछ समय पहले ही इसी मामले में वीवो का गुरुग्राम स्थित एचएसबीसी बैंक का खाता अटैच कर एसजीएसटी विभाग ने करीब 220 करोड़ रुपये की वसूली की है। सूत्रों ने यह भी बताया कि यह छापा करोड़ों की कर चोरी के खुफिया इनपुट के आधार पर की गई है। जिसमें कंपनी पर आरोप है कि उसने प्राप्त किए गए राजस्व से कम राजस्व को दिखाया है। बता दें कि चीनी मोबाइल कंपनियां भारत में आयकर विभाग और ईडी के रडार पर हैं. इससे पहले जांच एजेंसी ने Xiaomi के एसेट्स सीज किए थे।

दौसा जिले में कार एवं पिकअप के टकराने पर चार युवकों की मौत

जयपुर (वार्ता)। राजस्थान के दौसा जिले के सैंथल थाना क्षेत्र में कार और पिकअप के आपस में टकराने से आज सुबह चार युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के ये युवक राजस्थान में कहीं जा रहे थे कि उनकी कार सुबह सैंथल थाना क्षेत्र में बापी इलाके में सामने से आ रही पिकअप गाड़ी से टकरा गई। हादसे में उत्तरप्रदेश के सोनू, आकाश, नीरज एवं कर्मेंद्र चतुर्वेदी की मृत्यु हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे में घायल हुए पिकअप चालक सहित दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली से दुबई जा रहे स्पाइसजेट के विमान की कराची में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के विमान की पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। जानकारी के मुताबिक विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी, जिसके चलते कराची में विमान को उतारना पड़ा। फ्लाइट में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट के इस विमान में 150 से ज्यादा यात्री सवार थे। इन सभी को कराची एयरपोर्ट के लॉन्ज में ठहराया गया है। विमान में आई खामी की इंजीनियरों द्वारा जांच की जा रही है और तकनीकी गड़बड़ी को दूर करने के बाद ही उड़ान भरी जाएगी। उड्डयन विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इंजीनियरों की ओर से क्लियरेंस रिपोर्ट मिलने के बाद ही फ्लाइट को आगे के सफर के लिए रवाना किया जाएगा। इस बीच एक अहम जानकारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पाकिस्तान बोला- मानवीय आधार पर दी विमान उतारने की परमिशन

अथॉरिटी की ओर से कहा गया कि कराची में जब जांच की गई तो लेफ्ट टैंक से फ्यूल लीक का कोई सबूत नहीं मिला। पाकिस्तान के उड्डयन विभाग ने भी स्पाइसजेट एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी दी है। पीसीएए के अधिकारी ने कहा, 'फ्लाइट के पायलट ने कंट्रोल टावर से उस वक्त संपर्क किया, जब विमान पाकिस्तान के एयरस्पेस से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई है, इसके चलते इमरजेंसी लैंडिंग करनी होगी। हमने मानवीय आधार पर कराची एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग की परमिशन दी।' इससे पहले मार्च 2021 में भी ऐसा ही वाकया सामने आया था, जब शारजाह से लखनऊ आ रहे विमान को मेडिकल इमरजेंसी के चलते कराची एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा था।

असम में भूकंप के झटके

गुवाहाटी (वार्ता)। असम में मंगलवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गयी। भूकंप विज्ञान के राष्ट्रीय केंद्र (एनसीएस) के अनुसार आज पूर्वाह्न 11 बजकर तीन मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। एनसीएस ने एक ट्वीट में कहा, आज पूर्वाह्न 11 बजकर तीन मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र 26.4 डिग्री अक्षांश और 93.02 देशांतर तथा जमीन सतह से 35 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे एक दिन पहले अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर से 215 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया था।

ट्रांसफर की धमकी पर भड़के कर्नाटक हाईकोर्ट के जज, बोले- किसान का बेटा हूं, खेत जोत लूंगा

बेंगलुरु (ए.)। कर्नाटक हाईकोर्ट के जज एचपी संदेश ने आरोप लगाए हैं कि उन्हें तबादले की धमकियां दी जा रही हैं। उनका कहना है कि एंटी करप्शन ब्यूरो और ADGP को लेकर की गई टिप्पणियों के चलते धमकियां मिली हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वह इस तरह की बातों से डरते नहीं हैं। उन्होंने एसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे और इसे 'भ्रष्टाचार का केंद्र' बताया था।

सोमवार को बेंगलुरु शहरी उपायुक्त कार्यालय के पूर्व तहसीलदार महेश पीएस की जमानत याचिका पर सुनवाई की। महेश पर कथित तौर पर मई 2021 में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि तत्कालीन उपायुक्त जे मंजुनाथ के निर्देश पर घूस प्राप्त की थी। खास बात है कि सोमवार को हुई सुनवाई के कुछ समय बाद एसीबी ने IAS अधिकारी मंजूनाथ की गिरफ्तारी की जानकारी दी थी।

सोमवार को जस्टिस संदेश ने कहा कि उन्होंने साथी जज ने बताया है कि उनका ट्रांसफर हो सकता है, क्योंकि ADGP उनकी टिप्पणियों से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

तैयारी — 500 साल का संघर्ष और बलिदान आएगा सामने

अयोध्या के राम मंदिर पर बनेगी डॉक्युमेंट्री

नई दिल्ली (ए.)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के लिए हुए संघर्ष और बलिदान की कहानी को पर्दे पर दिखाने की तैयारी है। राम मंदिर आंदोलन पर डॉक्युमेंट्री बनाई जाएगी, जिसका मकसद इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना है। डॉक्युमेंट्री में आंदोलन से जुड़ी हर एक कड़ी को दिखाने की कोशिश की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्युमेंट्री में 1528 से लेकर अब तक राम मंदिर निर्माण से जुड़ी हर एक जरूरी बात को शामिल किया जाएगा। साथ ही इस बात का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा कि तथ्यों में किसी तरह की गलती की गुंजाइश न हो। डॉक्युमेंट्री को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मार्गदर्शन में ही बनाया जा जाएगा।

डॉक्युमेंट्री में पीएम मोदी की भी होगी भूमिका: यह जानना दिलचस्प है कि इस डॉक्युमेंट्री फिल्म में प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी की भी भूमिका होगी। पीएम मोदी अपने पूरे राजनीतिक करियर में राम मंदिर के लिए लगातार खड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि डॉक्युमेंट्री में पीएम मोदी का मंदिर भूमि पूजन का दृश्य भी शामिल किया जाएगा।

'फिल्म पर प्रसार भारती कर रही काम': श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी किया जाएगा शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्युमेंट्री में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को भी शामिल किया जाएगा, जिसमें अदालत ने राम मंदिर के हक में फैसला सुनाया था। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के मार्गदर्शन में इस डॉक्युमेंट्री के लिए वीडियोग्राफी का काम शुरू हो चुका है। राम मंदिर से जुड़े हर एक चरण की वीडियोग्राफी की जा रही है, ताकि डॉक्युमेंट्री में आंदोलन के हर एक पहलू को शामिल किया जा सके।

सारे मोदी चोर कहने पर बढ़ीं राहुल गांधी की मुश्किलें

■ झारखंड हाईकोर्ट से झटका

रांची (ए.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए उन्हें अपनी बात रांची के सिविल कोर्ट में कहने का निर्देश दिया है। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने कहा कि वह जिन बिंदुओं को हाईकोर्ट में उठा रहे हैं उन्हें सिविल कोर्ट में उठाना चाहिए। इसके पूर्व हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। राहुल गांधी के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में अधिवक्ता प्रदीप मोदी ने शिकायत दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान रांची में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि जिनके नाम के आगे मोदी लगा है वह सभी चोर हैं। इससे मोदी समाज आहत हुआ है और ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संपादकीय

फ्लोर टेस्ट में पास शिंदे सरकार

महाराष्ट्र विधानसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार फ्लोर टेस्ट में पूरे नंबरों से पास हो गई है। शिंदे सरकार के पक्ष में 164 विधायकों ने अपना वोट दिया वहीं विपक्ष में सिर्फ 99 वोट पड़े। इस दौरान उद्धव ठाकरे के एक कट्टर समर्थक विधायक ने भी पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की सरकार का समर्थन कर दिया। इस दौरान खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचे वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए उद्धव ठाकरे के समर्थक विधायकों ने सदन में ईडी सरकार.... ईडी सरकार के नारे लगाए। जिसका सटिक जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा कि हमारी सरकार सचमुच में ईडी सरकार है। उन्होंने कहा कि ई का मतलब एकनाथ और डी का मतलब देवेन्द्र है। एकनाथ शिंदे की सरकार के पक्ष में 164 मत पड़ना उद्धव ठाकरे गुट के लिए एक और बड़ा झटका है। इसके पहले स्पीकर के चुनाव में भी उद्धव ठाकरे गुट को झटका लग चुका था। वैसे तो उद्धव ठाकरे गुट को झटके लगने की शुरूआत विधान परिषद के और राज्यसभा सदस्य के चुनाव के दौरान ही लगना शुरू हो गया था। जो अब तक जारी है। इसके बावजूद शिवसेना के बड़बोले प्रवक्ता संजय राउत अभी भी बेतूकी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे है और एकनाथ शिंदे की सरकार को अवैधानिक बता रहे है। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमों शरद पवार भी एकनाथ शिंदे की सरकार को कागज की नाव करार दे रहे है। उन्होंने भविष्वाणी की है कि शिंदे सरकार छह माह के भीतर गिर जाएगी और महाराष्ट्र में विधानसभा के लिए मध्यावधी चुनाव कराए जाएंगे। शरद पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों को मध्यावधी चुनाव की तैयारी करने के भी निर्देश दे दिए है। गौर तलब है कि शरद पवार इसके पहले भी जब उद्धव ठाकरे की सरकार अल्पमत में आ चुकी थी तब भी अंमित क्षण तक यह दावा करते रहे थे कि उद्धव ठाकरे की सरकार नहीं गिरेगी और अपने पांच साल का कार्यकाल हर हालत में पूरा करेगी। किन्तु उनका यह दावा निराधार निकला ऐसे में एकनाथ शिंदे की सरकार गिरने का उनका दावा भी खोखला साबित हो तो कोई ताज्जुब नहीं होगा। बहरहाल एकशिंदे की सरकार ने सदन में बहुमत साबित कर पूर्ववर्ती महाअघाड़ी सरकार को पटकनी दे दी है। अब तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सामने अपनी पार्टी को बचाने की चुनौती है। एकनाथ शिंदे अब पार्टी के चुनाव चिन्ह पर कब्जा करने की कवायद में लग गए है और उन्होने अपने गुट को असली शिवसेना बताना शुरू कर दिया है। जाहिर है यह मामला अब चुनाव आयोग और फिर सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा इसके बाद ही यह तय होगा कि असली शिवसेना कौन सी है और शिवसेना का चुनाव चिन्ह तीरकमान किसे मिलेगा?

कविता

बरखा रानी

नितेश कुमार दिवाकर

बरखा रानी बरखा रानी,
करो ना तुम यूँ नादानी
निकले हैं हम तो सफ़र में
बरसाओ ना तुम पानी
अपने मेघों को समझाओ
यूँ ना हमें सताया करे /
घूमड़ घूमड़ के यहाँ वहाँ
छुप छुप के ना मंडराया करे //
जाना बहुत दूर हमें, थोड़ा रुक जाओ
अपने चक्षु से यूँ ना, अश्रु धारा बहाओ /
क्यों अपने नयन पट, खोल रखे हो,
रह रह के यूँ ना अपने पलकों को भीगाओ //
तुम्हारे मेघ चमक चमक कर
रास्ता रोक रहें हमारा /
गरज रहें ऐसे,मानो,
शंखनाद कर रहें तुम्हारा //
पथ प्रदर्शक बन जाओ हमारा,
करो ना राहों में यूँ तिमिर /
क्यों लगा के बैठे हो,
यातायात अवरुद्ध शिविर //
बरखा रानी बरखा रानी,
क्यों करते तुम अपनी मनमानी /
हाथ जोड़ करते विनती,
समेट लो पलकों में तुम अपने गिरते पानी //
आभार मानेंगे तुम्हारा हृदय से,
गनतव्य तक आने जाने वाला हर राही /
करो ना तुम यूँ शैतानी,
सब करेंगे तुम्हारी वाह वाही //

कैसे मिलेगा भुखमरी से छुटकारा?

रमेश सर्राफ

खाद्य की बर्बादी की ये समस्या सिर्फभारत में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष 1.3 अरब टन खाद्यान्न खराब होने के कारण फेंक दिया जाता है। कितनी बड़ी विडम्बना है कि एक तरफ दुनिया में इतना खाद्यान्न बर्बाद होता है और दूसरी तरफदुनिया के लगभग 85 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। क्या यह अनाज इन लोगों की भूख मिटाने के काम नहीं आ सकता? पर व्यवस्था के अभाव में ये नहीं हो पा रहा है। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि हर वर्ष हमारे देश में खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन होने के बावजूद क्यों देश की लगभग एक चैथाई आबादी को भुखमरी से गुजरना पड़ता है? यहां मामला यह है कि हमारे यहां हर वर्ष अनाज का रिकार्ड उत्पादन तो होता है। पर उस अनाज का एक बड़ा हिस्सा लोगों तक पहुंचने की बजाय कुछ सरकारी गोदामों में तो कुछ इधर-उधर अव्यवस्थित ढंग से रखे-रखे सड़ जाता है।

आज के आधुनिक युग में जहां पूरी दुनिया हाईटेक हो रही है। नित नए आविष्कार हो रहे हैं। दुनिया में तकनीकी का बोलबाला है। ऐसे में दुनिया भर के देशों में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। यह एक डरावना सत्य है। एक ओर जहां लोगों के रहन-सहन, जीवन-यापन के स्तर में काफी बदलाव देखने को मिलता है। लोग पहले की अपेक्षा अधिक सुख सुविधाओं के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। वही एक तबका ऐसा भी है जिनको खाने को भरपेट भोजन भी नहीं मिल रहा है। भोजन के अभाव में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। 21वीं सदी में आधुनिक होते जा रहे लोगों के लिए भुखमरी से होने वाली मौत एक करारे तमाचे से कम नहीं है। जब तक दुनिया के हर इंसान को दोनों वक्त भरपेट भोजन नहीं मिलेगा तब तक सारी तरक्की बेमानी है। लोगों को भुखमरी से निजात दिलाने की दिशा में सभी को सकारात्मक और प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। ताकि आने वाले समय में किसी भी जिंदा इंसान की भुखमरी से मौत ना हो सके।

मानव जाति की मूल आवश्यकताओं की बात करें तो रोटी, कपड़ा और मकान का ही नाम आता है। इनमे रोटी सर्वोपरि है। रोटी यानी भोजन की अनिवार्यता के बीच आज विश्व के लिए शर्मनाक तस्वीर यह है कि वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब भी भुखमरी का शिकार है। अगर भुखमरी की इस समस्या को भारत के संदर्भ में देखे तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा भुखमरी पर जारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सर्वाधिक भुखमरी से पीड़ित देशों में भारत का नाम प्रमुखता से है।

खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार तथा अधिक पैदावार के लिए कृषि क्षेत्र में निरन्तर नये अनुसंधान के बावजूद भारत में भुखमरी के हालात बदतर होते जा रहे हैं। जिसकी वजह से भारत 116 देशों के वैश्विक भुखमरी सूचकांक (जीएचआई) 2021 में फिसलकर 101वें स्थान पर आ गया हैं। इस मामले में हम अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से भी पीछे है।

जीएचआई में भारत के खराब प्रदर्शन की बात करें तो यह बीते कुछ सालों से लगातार जारी है। 2017 में इस सूचकांक में भारत का स्थान 100वां था। साल 2018 के इंडेक्स में भारत 119 देशों की सूची में 103वें स्थान पर रहा। वहीं 2019 में देश 117 देशों में 102वें स्थान पर रहा था। वर्ष 2020 में भारत 94 वें स्थान पर था। भारत का जीएचआई स्कोर भी गिर गया है। यह साल 2000 में 38.8 था जो 2012 और 2021 के बीच 28.8- 27.5 के बीच रहा। जीएचआई स्कोर की गणना चार संकेतकों पर की जाती है। जिनमें अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पड़ोसी देश नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान भी भुखमरी को लेकर चिंताजनक स्थिति में हैं। लेकिन भारत की तुलना में अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने को लेकर बेहतर प्रदर्शन किया है। भूख और कुपोषण पर नजर रखने वाली वैश्विक भुखमरी सूचकांक की वेबसाइट पर बताया गया कि चीन, ब्राजील और कुवैत सहित अठारह देशों ने पांच से कम के जीएचआई स्कोर के साथ शीर्ष स्थान साझा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भूख के खिलाफ लड़ाई पटरी से उतर गई है। वर्तमान जीएचआई अनुमानों के आधार पर पूरी दुनिया और विशेष रूप से 47 देश- 2030 तक लक्ष्य के निम्न स्तर को प्राप्त करने में विफल रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा पर कई मोर्चों पर बिगड़ती स्थितियां, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से संबंद्ध मौसम के बदलाव और कोविड -19 महामारी से जुड़ी आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियां भुखमरी को बढ़ा रही हैं।

सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी के संगठन वेल्ट हंगर हिल्फद्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को चिंताजनक बताया गया है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में बच्चों की उम्र के हिसाब से वृद्धि न होने की दर 1998-2002 के बीच 17.1 प्रतिशत थी। जो 2016-2020 के बीच बढ़कर 17.3 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में लोग कोविड -19 और महामारी संबंधी प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। दुनिया भर में सबसे अधिक चाइल्ड वेस्टिंग की दर यहीं है।

रिपोर्ट में भुखमरी की स्थिति के लिहाज से दुनिया के 119 देशों को खतरनाक, अत्याधिक खतरनाक और गंभीर जैसी तीन श्रेणियों में रखा गया है। इनमें भारत गंभीर की श्रेणी में है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की इस स्थिति के कारण ही दक्षिण एशिया का प्रदर्शन हंगर इंडेक्स में और बिगड़ा है। भारत एक ऐसा देश जो अगले एक दशक में दुनिया के सर्वाधिक प्रभावशाली देशो की सूची में शामिल हो सकता हैं। वहां से ऐसे आंकड़े सामने आना बेहद चिंतनीय माना जा रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में विश्व भर में भूख के खिलाफ चल रहे अभियान की उपलब्धियों और नाकामियों को दर्शाया जाता है। भुखमरी को लेकर यह रिपोर्ट भारत सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह खड़े करती हैं।

श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार हमसे आर्थिक से लेकर तमाम तरह की मोटी मदद पाते हैं। मगर भुखमरी पर रोकथाम के मामले में हमारी हालत उनसे भी बदतर क्यों हो रही है? इस सवाल पर ये तर्क दिया जा सकता है कि श्रीलंका व नेपाल जैसे कम आबादी वाले देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती। यह बात सही है लेकिन साथ ही इस पहलू पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि भारत की आबादी श्रीलंका और नेपाल से जितनी अधिक है। भारत के पास क्षमता व संसाधन भी उतने ही अधिक हैं।

खाद्य की बर्बादी की ये समस्या सिर्फ भारत में नही बल्कि पूरी दुनिया में है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष 1.3 अरब टन खाद्यान्न खराब होने के कारण फेंक दिया जाता है। कितनी बड़ी विडम्बना है कि एक तरफ दुनिया में इतना खाद्यान्न बर्बाद होता है और दूसरी तरफ दुनिया के लगभग 85 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। क्या यह अनाज इन लोगों की भूख मिटाने के काम नहीं आ सकता? पर व्यवस्था के अभाव में ये नहीं हो पा रहा है।

महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि हर वर्ष हमारे देश में खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन होने के बावजूद क्यों देश की लगभग एक चैथाई आबादी को भुखमरी से गुजरना पड़ता है? यहां मामला यह है कि हमारे यहां हर वर्ष अनाज का रिकार्ड उत्पादन तो होता है।

ताकि न आए आलोचना की नौबत

रवंश दीक्षित

किसी सिद्धांत की स्थापना करना, उसे नकारना, अपने मंतव्य व्यक्त करना इत्यादि उस विमर्श का हिस्सा होता है और उनकी ताकत भी होती है। इसके ठीक उलट अदालतों की टिप्पणियों को ब्रह्म वाक्य जैसा माना जाता है। अदालत की टिप्पणियों का हवाला देकर अपने पक्ष में या किसी के खिलाफमाहौल तैयार किया जा सकता है और यहां तक कि देश की दूसरी अदालतों की सोच को भी प्रभावित किया जा सकता है। अदालतों की गैर-जरूरी टिप्पणी का एक नुकसान यह भी है कि उससे एक ऐसे अंतहीन बहस की शुरुआत होती है, जिसका कोई आधार और ओर-छोर नहीं होता है। न्यायालयों की अंतर्निहित सीमा यह है कि वे सार्वजनिक तौर पर अपना बचाव नहीं कर सकते।

सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायमूर्तियों द्वारा की गई अलिखित टिप्पणियां पूरे देश में चर्चा में हैं। नूपुर शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्तियों द्वारा की गई टिप्पणियों पर सोशल मीडिया में जिस तरह की अवांछित तथा अमर्यादित प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उन्हें किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक न्यायमूर्ति ने इस पर घोर आपत्ति की है। बचाव में कुछ लोग यह कह रहे हैं कि वह टिप्पणी अदालती निर्णय का हिस्सा नहीं थी और वे न्यायाधीश के व्यक्तिगत विचार थे। इसलिए लोगों का टिप्पणी करना उनकी अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। वजह तथा परिस्थितियां जो भी हों, लोकशाही में इस तरह का आचरण स्वीकार नहीं किया जा सकता। अन्य संस्थाओं की तरह न्यायपालिका भी लोकशाही का महत्वपूर्ण स्तंभ है और यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है कि अपनी बात कहते समय मर्यादा का कभी उल्लंघन नहीं हो। ध्यान रहे, अभिव्यक्ति की आजादी हमें कभी भी किसी सांविधानिक संस्था की प्रतिष्ठा पर आघात पहुंचाने की छूट नहीं देती है।

अदालती निर्णयों या टिप्पणियों के परिणामस्वरूप मानवता ने बहुत कठिन दौर देखे हैं। मसलन, अमेरिका में 'डेज्ड स्कॉट बनाम सेन्डफोर्ड' मामले में तो हालात यहां तक पहुंच गए थे कि अमेरिका में गृह युद्ध छिड़ गया था। बात तब की है, जब हम आजादी की पहली लड़ाई लड़ रहे थे। तब अमेरिका के कुछ राज्यों में दासप्रथा को कानूनी मान्यता हासिल थी और दास किसी दूसरी वस्तु की तरह खरीदे और बेचे जा सकते थे। कुछ राज्य ऐसे भी थे, जिनमें दासप्रथा को गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। डेज्ड स्कॉट नामक दास मिसौरी में अपने मालिक के साथ रहता था, जहां दासप्रथा वैध थी। एक दिन उसके मालिक उसे लेकर इलिनॉय राज्य गए, जहां दासप्रथा गैर-कानूनी थी। वहां से मिसौरी लौटने पर स्कॉट ने अदालत में अर्जी दी कि उसे स्वतंत्र नागरिक का दर्जा और उससे जुड़े अधिकार दिए जाएं। उसकी दलील थी कि जब वह इलिनॉय राज्य गया, तब वहां दासप्रथा गैर-कानूनी होने के कारण वह आजाद हो गया है और एक बार स्वतंत्र हो जाने के बाद उसे पुनः दास नहीं बनाया जा सकता। मिसौरी की अदालत ने डेज्ड स्कॉट की दलील को अस्वीकार कर दिया। इससे निराश डेज्ड स्कॉट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के सामने सवाल खड़ा हो गया

कि यदि कोई दास एक बार आजाद नागरिक हो जाए, तो क्या वह पुनः दास हो सकता है? यह कानून के अर्थान्वयन का मामला था और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट अपने को वहीं तक सीमित रख सकता था, पर अदालत ने कह दिया कि अफ्रीकी मूल के किसी व्यक्ति को, चाहे वह दास हो या नहीं, अमेरिकी नागरिकता नहीं दी जा सकती। यही नहीं, प्रधान न्यायाधीश रोजर टेनी ने एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि अमेरिकी संविधान की कभी यह मंशा नहीं थी कि अफ्रीकी लोगों को अमेरिकी नागरिक माना जाए। कोर्ट यहीं नहीं रुका, उसने दासप्रथा को मजबूत करने की कोशिश की, कहा कि मिसौरी समझौते की कुछ बातें दासप्रथा के पालन में बाधा पहुंचाती हैं, इसलिए असांविधानिक हैं। इस तरह अदालत ने किसी दास के आजाद नागरिक बनने के रास्ते बंद कर दिए। इस निर्णय के बाद की प्रतिक्रिया कल्पना से परे थी। अमेरिकी आबादी के एक हिस्से के मन में गहरा अन्याय-बोध पनपा, जिसकी परिणति अमेरिकी गृह युद्ध के रूप में हुई। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को इसकी कीमत अपनी आहूति देकर चुकानी पड़ी। अमेरिका ने इससे सबक सीखा, संविधान का 13वां और 14वां संविधान संशोधन लाया गया। 13वें संशोधन द्वारा दासप्रथा समाप्त कर दी गई तथा 14वें संविधान संशोधन द्वारा अमेरिका में रहने वाले हरेक व्यक्ति को नागरिकता का अधिकार दिया गया।

बहुत से लोग अमेरिकी गृह युद्ध के लिए अदालत द्वारा डेज्ड स्कॉट के मामले में की गई गैर-जरूरी टिप्पणी को भी जिम्मेदार मानते हैं। वाकई समस्या तब खड़ी हो जाती है, जब न्यायाधीश के रूप में कार्य करते समय ऐसी गैर-जरूरी टिप्पणी की जाए, जो मीडिया के लिए तो बड़ी खबर बन जाए, किंतु न्यायालय के आदेश का हिस्सा न होने के कारण उसके परिष्करण का कोई रास्ता ही नहीं रहे।

अपने देश में न्यायपालिका के आदेश मंत्राक्षर जितने ताकतवर होते हैं। समाज उनके प्रति सम्मान का भाव रखता है, फैसलों में लिखे अर्द्ध-विराम और पूर्ण-विराम तक पर व्यापक चर्चा होती है। एक-एक हिस्से का क्रियान्वयन किया जाता है और उनके किसी भी हिस्से को हल्के में नहीं लिया जाता। न्यायाधीश के आसन से कही गई हर बात न्यायालय की औपचारिक टिप्पणी होती है। जनमानस उसे कानून और संविधान के बराबर की मान्यता देता है। सभी पक्षों को ध्यान रखना चाहिए कि अनेक लोग उसका उपयोग अपने को मजबूत करने या दूसरे को गिराने के लिए भी कर सकते हैं। कोई कुछ भी कहता रहे, अनेक लोग किसी अलिखित अदालती टिप्पणी को सामान्य टिप्पणी मानने को तैयार नहीं होते हैं। ज्यादातर लोग न्याय के घर से आई हर टिप्पणी को आदर्श मानते हैं। अदालतों की टिप्पणी और अकादमिक विमर्शों में व्यक्त विचारों में अंतर होता है। अकादमिक विमर्श में की गई टिप्पणी को लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

बरसती हुई बूंदों

बरसती हुई बूंदों ने मौसम गुलजार कर दिया तन्हा हर मन को खूब बीमार कर दिया पतझड़ में सूनी थी पेड़ों की जो डालियां वर्षा ने उन डालियों में फिर से बहार भर दिया इस मौसम में चेहरा तुम्हारा क्यों रहे मुरझाये अब जब प्रकृति ने अपना भी खुद श्रृंगार कर लिया।

- संत आर थवाईत

नई किरन और नया

नई किरन और नया सबेरा , घर आँगन खुशियो का बसेरा, हर दिन हर पल पायें हम , आओ पेड़ लगाए हम अम्बर में काले बदरा छायेंगे , जमकर के अमृत बरसायेंगे , आओ खेतों में सोना उगाए हम आओ पेड़ लगाए हम फिर कभी ना सावन जायेगा , हरकोई खिलता बचपन पायेगा, आओ पेडों संग त्योहार मनाये हम, आओ पेड़ लगाये हम।

- अनिल कुमार श्रीवास्तव

खास पाती | नजरों से नजरें तो मिलाओ की

नजरों से नजरें तो मिलाओ की मैं शराबी हूँ ! कुछ पल आँखों से पिलाओ की मैं शराबी हूँ !! साकी भी मैं पैमाना भी, मय भी मै मैखाना भी , मुझे होंठों से तो लगाओ की मैं शराबी हूँ !! तुझे चूमने की हसरत , तुझमें समाने की चाहत, जरा और करीब आ जाओ की मैं शराबी हूँ ! ये धड़कने लड़खड़ाती,नाम तेरा ही गुनगुनाती, प्रेम से जी भर प्रेम पिलाओ की मैं शराबी हूँ! रंगीन है आज शब , मदहोश सी फिजायें हैं , अब तो मान भी जाओ.. .... की मैं शराबी हूँ।

- किरण मिश्रा

वो अकेला ही क्या अकेला था

वो अकेला ही क्या अकेला था ? जो जहाँ पर भी था अकेला था। हमने पूछा कि ग़मज़दा क्यों थे, उसने हँसकर कहा, अकेला था। साथ हर वक़्त था खुदा उस के, उसने कैसे कहा ,अकेला था। इक तरफ़ भीड़ अड़चनों की थी, इक तरफ हौसला अकेला था। हर तरफ़ झूठ के मुहाफ़िज़ थे, सच तो हरदम खड़ा अकेला था। आख़िरश उसने ख़ुदकुशी क्यों की, क्या वो कुल्फ़त- ज़दा अकेला था ? जिसके पीछे है कारवाँ 'रूपम' वो भी घर से चला अकेला था।

- निरुपमा चतुर्वेदी

जिस नवजात पात पर मै

जिस नवजात पात पर मै ठहर? न पाई उसे मैंने स्मृति का पहला पृष्ठ बनाया है जो मेरी आंखों से बूंद बन बह निकली वही बरसात मैंने कविता में छिपाई है जो सूरज मुझे मुठ्ठी भर धूप न दे सका उस रिक्त हथेली ने अभी नीला रंग मला है जिस आसमां को मै? नजर भर देख न सकी उस आंख की पुतली ने इंद्रधनुष को अपनी वसीयत बताया है।

- शोभा गोयल

दीवार कभी बॉल को कैच नही

दीवार कभी बॉल को कैच नही करती तो जिसने फैंकी है उसके पास लौटकर चली जाती है कभी-कभी तो उसके मुँह पर गहरा तमाचा मार देती है। दीवार की तरह बनो सारे तानों, अपशब्द बातों को बॉल समझो कैच मत करो, जाने दो, टकराने दो.. हाँ जरा आघात लगेगा तुम्हें सह लेना.. क्योंकि तुम्हें आघात तो लगेगा लेकिन जब तुम जताते नही बॉल फेंकने वाले को अधिक लगेगा। और सबसे महत्वपूर्ण बात जिंदगी आसान हो जाएगी..क्योंकि और कोई हो न हो अपना, ये जिंदगी तो अपनी है। **- वर्षा गुप्ता**

मन बेकल मौसम सुहावना ढूंढे हैं

मन बेकल मौसम सुहावना ढूंढे हैं तुझे !! नैन आतुर पाए न कहीं ठौर उफ़्फ़ ये दौर !! आओ साजन आने को है सावन मनभावन !! गाये पपीहा भाये मन के गीत ओ मनमीत। **- सीमा मधुरिमा**

अब तो आजा निरमोही होवत हे

अब तो आजा निरमोही होवत हे बेरा मुंधियार के कब के जोहत हंव रद्दा तोर गोड़ी दीया ल बार के कोन बन म जाथस, तैं ह कहाँ बिलम जाथस? ए बिरहिन ले जुड़े जम्मो मोह-मया ल टार के। **-कवि सुशील भोले**

जीवन का अर्थ जी चाहता है

जीवन का अर्थ जी चाहता है थोड़ी सी आजादी , वो मिलती नही , कुछ पल के लिए होता है आजाद ये मन , तो की जाती है बेरुखी हमसे , जी चाहता हैं ,छूने को ये अनन्त आकाश , तो छू नही पाता , कुछ पल के लिए मिलते है पंख , तो कोशिश करता हूँ की उड़ू , तो की जाती है बेरुखी हमसे , कब तक जिये हम ऐसे , आजादी नही तो गति नही , गति नही तो गीत नई गीत नही तो ब्यर्थ है ये जीवन। **- नमन कुमार मिश्रा**

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम किसने लागू किया?

2) वर्तमान भूमध्य सागर को किस प्राचीन महासागर का अवशेष माना जाता है?

3) जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन किस सूची के विषय है?

4) 12 मई 2022 को वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष के रूप में किसने कार्यभार ग्रहण किया?

5) अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

उत्तरमाला- (1) लॉर्ड कर्जन (2) टेथिस महासागर (3) समवर्ती सूची (4) संजीव बजाज (5) मॉन्ट्रियल (कनाडा)

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1787 - पश्चिम बंगाल के शिबपुर में भारतीय वनस्पति उद्यान की स्थापना हुई। 1785 - अमेरिकी कांग्रेस ने डॉलर को अमेरिकी मुद्रा के नाम से घोषित किया। 1885 - लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। 1892 - दादाभाई नौरोजी ब्रिटेन की संसद में पहले भारतीय सदस्य के रूप में चुने गये। 1901 - जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म। 1923 - सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का गठन हुआ। 1935 - बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामाका जन्म। 1944 - नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी को पहली बार 'राष्ट्रपिता' के नाम से संबोधित किया। 1986 - देश के चौथे उपप्रधानमंत्री जगजीवन राम का निधन। 2002 - भारतीय कारोबारी एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के संस्थापक धीरूभाई अंबानी का निधन। 2002 - अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अब्दुल कादिर की हत्या हुई। 2005 - मैक्सिको में मानव का चालीस हजार वर्ष पुराना पदचिन्ह मिला। 2006 - विश्व कप फुटबाल में फ़्रांस ने पुर्तग़ाल को हराया। 2006 - वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद से बंद पड़े नाथुला दर्रे को खोला गया। 2008 - दक्षिणी मिस्र में 5000 साल पुराने शाही क़ब्रिस्तान की खोज की गयी। 2009 - जद्रांका कोसोर क्रोएशिया की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी। 2013 - नाइजीरिया में आतंकवादियों ने स्कूल में हमला करके 42 लोगों की हत्या की। 2014 - इजरायली वायु सेना ने 2014 में गाजा पट्?टी पर हमला कर हमास के सात सदस्यों को मार गिराया।

चिकित्सा जगत में भारतीयों का अहम योगदान, परंपरा को आगे बढ़ाएं नए चिकित्सक

- एम्स रायपुर ने प्रदेश के दो वरिष्ठ चिकित्सकों का किया सम्मान, कहा- थैंक यू डॉक्टर्स
- पांच दिवसीय आयोजनों का हुआ समापन, बच्चों और वृद्धजनों को किया गया जागरूक

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गए। इस अवसर पर प्रदेश के दो वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान करते हुए एम्स के चिकित्सकों ने उनके अहम योगदान के लिए थैंक यू भी कहा। पांच दिवसीय कार्यक्रमों में दो कैंप के माध्यम से स्कूली बच्चों और वृद्धजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने का प्रयास भी किया गया।

मुख्य कार्यक्रम में एम्स के निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने प्रो. (डॉ.) पी.के. मुखर्जी और प्रो. (डॉ.) आर.एस. धीर का सम्मान किया। प्रो. नागरकर ने प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को अहम बताते हुए उन्हें स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने पर धन्यवाद दिया। एम्स के अकादमिक विभाग की ओर से प्रो. नागरकर को चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान में अहम योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. नागरकर ने कहा कि भारतीयों का पुरातन काल से चिकित्सा के क्षेत्र में अहम योगदान है। डाक्टर्स डे के माध्यम से इन सभी को धन्यवाद देने का यही उपयुक्त समय है। उन्होंने चिकित्सकों के कार्य में अधीनस्थ तकनीकी कर्मचारियों के योगदान को भी अहम बताते हुए उन्हें इसके लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डीन (अकादमिक) प्रो. आलोक अग्रवाल ने चिकित्सीय सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए चिकित्सकों से रोगियों के लिए समर्पण के साथ काम करने को कहा। उन्होंने नए चिकित्सकों से निरंतर नई तकनीक के माध्यम से श्रेष्ठतम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। डीन (अनुसंधान) प्रो. सरिता अग्रवाल ने प्रो. बी.सी. रॉय के जीवन के प्रेरणादायक प्रसंगों का जिक्र करते हुए कहा कि सतत् प्रयासों से कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने चिकित्सक दिवस पर सभी को अपने कर्तव्यों के निवर्हन का संकल्प लेने को कहा। डीन (परीक्षा) प्रो. एली मोहपात्रा ने चिकित्सा दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष में केंद्रीय विद्यालय-2, डीडीयू नगर में कैंप आयोजित कर कोविड अनुरूप व्यवहार के संबंध में, प्रो. विनय पंडित ने स्वस्थ जीवन शैली और डॉ. नकुल उप्पल दांतों की सुरक्षा के विषय में उपयोगी जानकारी दी। बढ़ते कदम आनंद आश्रम, अवंती विहार में आयोजित दूसरे कैंप में आश्रम के लगभग 40 वृद्धजनों का नियमित हैल्थ चेकअप, बीपी-शुगर जांच और अन्य सामान्य जांच की गई। इस अवसर पर डॉ. विक्रम पई ने योग के बारे में बताया और डॉ. अजय कुमार ने मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की। आश्रम की ओर से चिकित्सकों का सम्मान भी किया गया।

मुख्य कार्यक्रम में प्रो. सोमेन मिश्रा, डॉ. सुब्रता कुमार सिंगा, डॉ. अविनाश इंगले, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डॉ. बीनू मैथ्यू सहित बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने भाग लिया। इस अवसर पर चिकित्सा छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और क्विज भी आयोजित किया।

प्रथम चरण में निजी विद्यालयों में 43 हजार 224 विद्यार्थियों को मिला प्रवेश

रायपुर। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 अन्तर्गत अलाभित समूह के विद्यार्थियों को निजी शालाओं में वर्ष 2022-23 में प्रवेश के संबंध में ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया था। इसके लिए विभाग द्वारा तिथिवार समय-सारिणी जारी किया गया था। इसके तहत प्रथम चरण की लॉटरी एवं प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। प्रथम चरण की लॉटरी उपरांत निजी विद्यालयों में 43 हजार 224 विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाया गया है। इसी तरह द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए छात्र का पंजीयन एवं लॉटरी तथा प्रवेश की प्रक्रिया 1 जुलाई से 14 अगस्त तक पूर्ण किया जाना है। जिसके लिए आर.टी.ई. पोर्टल को खोला गया है। पालकों से निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु द्वितीय चरण के आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 6 जुलाई को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र-रायपुर, पुराना पुलिस मुख्यालय, रायपुर में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। निजी क्षेत्र के नियोजकों जावेरी बाजार रायपुर, मास्टो इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड एवं नई दुनिया समाचार पत्र, रायपुर द्वारा सेल्स एक्सीक्यूटीन व वाहन चालक, सुपरवाईजर, एकाउंटेंट, फेबिकेटर, पेन्टर, डिलीवरी बाय, कम्प्यूटर टेक्नीशियन, हेल्पर, मैकेनिक-दो एवं तीन पहिया, सेल्समैन, सर्वेयर के 67 से अधिक पदों पर भर्ती की जायेगी। इन पदों के लिए न्यूनतम 8 हजार से 15 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है। इन पदों पर अनपढ़ से लेकर 10वीं, 12वीं एवं कार्यानुभवी आवेदकों की भर्ती की जायेगी। इसके लिए योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है। प्लेसमेंट कैम्प में आवेदक को सोशल डिस्टेंटिंग का पालन करते हुए सम्मिलित होना अनिवार्य है।

कलेक्टर ने जनदर्शन के माध्यम से सुनी नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने आज यहां अपने चेंबर में कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से सबेरे 10 बजे से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो के दूर-दराज से आए नागरिकों, ग्रामीणजनों, महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उनके त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनदर्शन में आज 40 से अधिक लोगो ने आवेदन देकर अपनी समस्याएं बताई।

चिकित्सा आचार संहिता का अक्षरशः पालन करें विद्यार्थी : राज्यपाल उइके

- पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने ली चरक शपथ
- महाविद्यालय में व्हाईट कोट सेरेमनी सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर की व्हाईट कोट सेरेमनी और चरक शपथ समारोह में शामिल हुईं। राज्यपाल व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त ने नये विद्यार्थियों को चिकित्सा नैतिकता के पालन के लिए चरक शपथ दिलवाई।

राज्यपाल सुश्री उइके ने व्हाईट कोट सेरेमनी को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप सभी को अथक परिश्रम के उपरांत यह सफलता मिली है और आज उसे साकार होने के हम सभी साक्षी हैं। आपने जिस पेशे का चुनाव किया है, उसे मानवता की सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है। आज हर कोई चाहता है कि उसे निरोगी और स्वस्थ शरीर मिले, आगे चलकर इसे पूरा करने में आप सभी का बड़ा योगदान होगा।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आप जानते हैं कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य प्रदेश है, जिसमें कई सुदूरवर्ती इलाके ऐसे हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की सुगम पहुंच नहीं है। ऐसे में आप सभी विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि आप सुदूर जिलों में अपनी सेवाएं दें ताकि इन इलाकों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग की पहल पर एम.बी.बी.एस. के प्रथम वर्ष में प्रवेशरत विद्यार्थियों को दिलाये जाने वाले 'हिप्पोक्रेटिक ओथ' को 'चरक शपथ' से बदलने का निर्णय सराहनीय है। इस पहल से विद्यार्थी भारतीय परम्परागत चिकित्सा और इसके गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित होंगे। साथ ही यह शपथ चिकित्सा के क्षेत्र में भारत के योगदान का भी सम्मान है।

सांसद से मिला चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल

- फुटवेयर उत्पादों पर बढ़े हुए जीएसटी को पूर्ववत करने एवं अनब्रांडेड प्रीपैक्ड खाद्यान्नों पर लगे 5% जीएसटी से छूट के लिए सौंपा ज्ञापन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी के नेत्रित्व में चेम्बर टीम ने माननीय लोकसभा सांसद श्री सुनील सोनी जी से फुटवेयर उत्पादों में बढ़ी हुई 12त्न त्नस्ञ्ज की दर पूर्ववत 5त्न करने एवं अनब्रांडेड प्रीपैक्ड खाद्यान्नों पर लगे 5त्न जीएसटी से छूट हेतु ज्ञापन सौंपा।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि फुटवेयर से सम्बंधित उत्पाद एक आवश्यक वस्तु के अंतर्गत आता है जिसका उपयोग मुख्यतः निम्न एवं मध्यम वर्ग के द्वारा किया जाता है। जुते चप्पल के व्यवसायी निम्न एवं मध्यम वर्ग के लोगों के आवश्यकता के अनुरूप ही व्यवसाय करते हैं जिससे आम लोगों की आवश्यक ज़रूरतें पूरी हो सके । वर्तमान में कोरोना महामारी ने छोटे बड़े जुते चप्पल के व्यवसायियों की कमर तोड़ दी, इनसे सम्बंधित जो गरीब तबके के कामगार थे वे सभी बेरोजगार हो गए । महामारी के अंत के साथ जुते चप्पल के व्यवसायी फ़िर से अपना व्यवसाय मुख्य मार्ग में लेन की कोशिश में हैं, बेरोजगार कामगारों को अब रोजगार मिलने लगा है जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए आवश्यक है।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि मंहगाई के दौर में अधिकतम 1000/ मूल्य तक के जूते चप्पल का उपयोग कारखानों के मजदूर सेफ्टी शूज के रूप में, विद्यार्थियों द्वारा स्कूल शूज के रूप में, मजदूर एवं किसान द्वारा खेतो में कार्य हेतु PVC शूज तथा दैनिक उपयोग में आने वाली सस्ती रबड़ की चप्पल के रूप में समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा किया जाता है जिस पर जीएसटी दर 5त्न से बढाकर 12% कर दिया गया है । फुटवियर उत्पाद के व्यवसायियों के साथ हस्त निर्मित कारीगर, कुटीर एवम लघु उद्योग संचालक, हाट बाजार एवम फेरी द्वारा का कार्य करने वाले छोटे छोटे व्यवसायियों और प्रदेश की निम्न और मध्यम वर्ग की जनता पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । अनब्रांडेड प्रीपैक्ड खाद्यान्नों पर 5त्न की दर से जीएसटी काउन्सिल द्वारा लगाये गए कर के सम्बन्ध में पारवानी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में छोटेङ्कबड़े सभी को मिलाकर 3 से 4 लाख तक खाद्य पदार्थ व्यवसायी हैं।

केयर हॉस्पिटल ने सीएचएल हॉस्पिटल इंदौर का अधिकग्रहण किया

हैदराबाद/नवप्रदेश। हैदराबाद स्थित केयर हॉस्पिटल ग्रुप, जो टीपीजी ग्रोथ मैनेज्ड एवर केयर फंड का प्रमुख संस्थान है तथा भारत का प्रतिष्ठित अग्रणी हॉस्पिटल नेटवर्क है, ने आज मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज की, जिसके अंतर्गत इंदौर के सीएचएल हॉस्पिटल के अधिग्रहण की घोषणा की। वर्ष 2001 में स्थापित कन्वीनियंट हॉस्पिटल लिमिटेड (सीएचएल) मध्यभारत में स्थापित किया गया पहला कारपोरेट हॉस्पिटल था और अपने मजबूत क्लीनिकल विशेषज्ञता के लिए कार्डियोलॉजी/ कार्डियक सर्जरी, न्यूरोसाइंस, जी आई लिवर ट्रांसप्लांट रीनल साइंस तथा क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में प्रतिष्ठा प्राप्त रहा। केयर हॉस्पिटल वर्ष 1997 में एकमात्र कार्डियक हॉस्पिटल के रूप में हैदराबाद में प्रारंभ हुआ था जिसमें 100 बेड्स एवं 20 कार्डियोलॉजिस्ट शामिल थे। केयर ग्रुप आज भारत के अग्रणी मल्टी केयर हॉस्पिटल के रूप में उन्नति कर चुका है जिसमें 6 राज्यों में 15 हॉस्पिटल सम्मिलित है और 30 क्लीनिकल विशेषज्ञता उपलब्ध है और 2400 से ज्यादा बेडस हैं। यह भारत का पहला हॉस्पिटल समूह है जिसमें देश में 2 टीयर्स श्रेणी के शहरों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। इस अधिग्रहण के बारे में केयर

हॉस्पिटल समूह के सीईओ जसप्रीत सिंह ने बतलाया कि हम सीएचएल हॉस्पिटल को केयर ग्रुप में सम्मिलित होने का स्वागत करते हैं और क्लीनिकल केयर में, मरीजों को परस्पर विशेषज्ञता के उच्च सेवाओं को मध्य भारत में मरीजों तक पहुंचाने की अपार संभावनाओं से उत्साहित हैं। देशभर में स्थापित केयर हॉस्पिटल की श्रृंखला 2 टियर शहरों में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं देने में अग्रणी स्थान प्राप्त है और हमारे हॉस्पिटल इन शहरों में, उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधाएं देने में सबसे आगे रहा है। सी एच एल के साथ अपनी भागीदारी से देश के मध्य भाग के इस प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत बनाते हैं। केयर हॉस्पिटल ग्रुप से जुड़े 12 सौ से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टर एवं 6000 कर्मियों के साथ प्रतिवर्ष लाखों मरीजों का इलाज किया जाता है और पिछले 25 वर्षों में विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों जैसे कार्डियक साइंस, अंकोलाजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसाइंस, रीनल साइंस, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी व हिपेटोलाजी, ऑर्थोपेडिक्स ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ईएनटी, बस्कुलर सर्जरी, इंटीग्रेटेड ऑर्गन ट्रांसप्लांट में उत्कृष्टता प्राप्त की है। यह घोषणा केयर हॉस्पिटल की महत्वपूर्ण 25वीं सालगिरह के गौरवशाली अवसर पर, क्लीनिकल उत्कृष्टता की मजबूत परंपरा आगे बढ़ाने की कोशिशों से जुड़ी है। इस 25 वर्षों मे, केयर हास्पिटल ग्रूप द्वारा, देश मे पहली बार पहले स्वदेशी स्टेंट का विकास, देश का पहला हास्पिटल जिसमें भ्रूण की हृदय की शल्यक्रिया की गई तथा 1000 से अधिक स्टेपीडोटॉमी (बहरापन का इलाज) जो केवल एक सर्जन द्वारा किये गये थे जिसे विश्व मे, सबसे अधिक की गई सर्जरी मे दूसरे स्थान पर होने का गौरव मिला- यह परिणाम केम्ब्रिज युनिवर्सिटी द्वारा किये गये अध्ययन से बतलाया गया। सीएचएल हास्पिटल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री राजेश भार्गव ने कहा कि ङ्क÷हम तेजी से उन्नति कर रहे सीएचएल हास्पिटल इन्दौर को और आगे बढ़ाने की केयर हास्पिटल ग्रूप की पहल का स्वागत करते हैं। विगत 21 वर्षो में, सीएचएल हास्पिटल के क्लिनिकल विशेषज्ञ डाक्टर्स की टीम को उल्लेखनीय उपलब्धियाँ मिली है तथा अनेकों सम्मान भी प्राप्त किये है। इस नये जुड़ाव के साथ, हमारी टीम्स, केयर हास्पिटल के सीएचएल हास्पिटल को मध्यभारत मे, उन्नति की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के प्रयासों को पूरा सहयोग देने तत्पर है।

केयर हास्पिटल का परिचय

केयर हास्पिटल ग्रूप, मल्टीस्पेशलिटी हेल्थकेयर प्रदाता के रूप मे 15 स्वास्थ सेवाओं के साथ 6 राज्यों के 7 शहरो मे भारत में कार्यरत है। इस श्रृंखला मे हैदराबाद, रायपुर, भुवनेश्वर, पूणे, विशाखापटनम, नागपुर एवं इंदौर जैसे शहर शामिल है। दक्षिण व मध्यभारत क्षेत्र मे अग्रणी तथा पूरे देश मे हास्पिटल चैन्स मे पहले 5 स्थान पर केयर हास्पिटल 30 विशेषज्ञ क्लिनिकल क्षेत्र मे, समग्र सेवाये प्रदान करता है, जिनमे 2400 से अधिक बेड्स उपलब्ध है। वर्तमान में केयर हास्पिटल एवर केयर ग्रूप के अंतर्गत कार्यरत है, इसके कोशिशो का परिणाम है कि यह साऊथ एशिया व अफ्रिका मे भी अपनी स्वास्थ्य सेवाओ का विस्तार कर रहा है

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती शीतल शर्मा | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202206100400378

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती शीतल शर्मा पति श्री आशीष शर्मा निवासी क्वा नं. 103/बी रूआबांधा सेक्टर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुनर्निर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	1218/3	0.017 हें 1842 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/6/22 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र- //अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नितेश कुमार बिजोरिया पिता स्व. महेश कुमार बिजोरिया निवासी ग्राम मैत्री कुंज भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 87/1 रकबा 0.010 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार महेश कुमार बिजोरिया की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-191//अ-20(1)/ वर्ष 2021 -22

आवेदक प्रमोद चौबे आ. रामशरण चौबे निवासी ब्राम्हणपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 29सी प्लाट नं. 26/1 रकबा 158.67 वर्गफीट भूमि धारकगण रामप्यारी पति स्व. रामशरण एवं अन्य के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारक रामप्यारी पति रामशरण की मृत्यु दिनांक 05/11/2015 को एवं सहधारक स्नेहलता पति डी.डी. तिवारी की मृत्यु दिनांक 07/4/2013 को हो चुकी है। मृतक सहधारक रामप्यारी का एकमाद्ध वारिसान पुत्र शुभम तिवारी है। इसके अतिरिक्त कोई वारिसान नहीं है। आवेदक द्वारा मृतक सहधारकों का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर उनके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम फौती नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैद्ध जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 15/7/22 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावें। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-192//अ-20(1)/ वर्ष 2021 -22

आवेदक प्रमोद चौबे आ. रामशरण चौबे निवासी ब्राम्हणपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 29सी प्लाट नं. 32 रकबा 104 वर्गफीट भूमि धारकगण रामप्यारी पति स्व. रामशरण एवं अन्य के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारक रामप्यारी पति रामशरण की मृत्यु दिनांक 05/11/2015 को एवं सहधारक स्नेहलता पति डी.डी. तिवारी की मृत्यु दिनांक 07/4/2013 को हो चुकी है। मृतक सहधारक रामप्यारी का एकमाद्ध वारिसान पुत्र शुभम तिवारी है। इसके अतिरिक्त कोई वारिसान नहीं है। आवेदक द्वारा मृतक सहधारकों का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर उनके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम फौती नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैद्ध जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 15/7/22 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावें। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202206101000211/202206101000211
विषयः अ-74 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - / श्रीमती राजेश्वरी साहू (अन्य-2) अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती राजेश्वरी साहू (अन्य-2) पति स्व. अजय कुमार साहू पता पुरानी बस्ती कोहका भिलाई जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.नं.-19 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थिति भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नं. 705/2, 1518, 3519/1 रकबा क्रमशः 0.220, 0.020, 0.020 हे. भूमि आवेदिका एवं अनावेदकगण के नाम पर शमिलात खाते में दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदिका एवं अनावेगकगण के मध्य परिवारिक व्यवस्था पत्र के आधार पर विभाजन किए जाने हेतु धारा 178 छ.ग.भू.रा. संहिता के तहत न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 11/7/22 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/6/22 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार भिलाई नगर(छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202206101000210/202206101000210
विषयः अ-74 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - / श्रीमती नीलू गजपाल अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती नीलू गजपाल पति रितेन्द्र गजपाल पता बोरसी रोड दुर्ग तह. व जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.नं.-19 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थिति भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नं. 4113, 4105/3 रकबा क्रमशः 0.02, 0.01 हे. भूमि आवेदिका एवं अनावेदकगण के नाम पर शमिलात खाते में दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदिका एवं अनावेगकगण के मध्य परिवारिक व्यवस्था पत्र के आधार पर विभाजन किए जाने हेतु धारा 178 छ.ग.भू.रा. संहिता के तहत न्यायालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है 1.प्रकरण अ 27 में पंजीबद्ध किया जावे 2. इश्तहार का प्रकाशन कराई जावे 3. हल्का पटवारी से फर्द बंटवारा प्राप्त किया जावे।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 11/7/22 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/6/22 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार भिलाई नगर(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रताप सिन्हा पिता स्व. बाबुलाल सिन्हा निवासी ग्राम गंजपारा दुर्ग तह. दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 3/3, 5/9, 9/11, 70/3 रकबा 0.026, 0.006, 0.008, 0.050 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार ना.बा. विशाल सिन्हा की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

वन होम, वन ट्री मुहिम, रोपे जाएंगे पौधे

दुर्ग (नव प्रदेश)। जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम द्वारा पिछले साल की तरह इस साल भी दुर्ग में वन होम वन ट्री महाभियान चलाया जाएगा।इस सीजन में भी सैकड़ो पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। सबसे बड़ा कैंपेन 6 जुलाई को होगा। इस अवसर पर सभी घरों, शासकीय कार्यालय, सार्वजनिक स्थलों में पौधे रोपे जाएंगे। इस संबंध में आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने डाटा सेंटर कक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि पिछले साल लोगों ने स्वतः स्फूर्त होकर पौधे लगाए थे। इस बार भी हरियाली को सहेजने के लिए यह बड़ा अभियान चलाया जाएगी।पौधे पूरे शहर में रोपे गए थे। इनमें नागरिकों ने अपने घरों में भी पौधे लगाए। विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा एवं आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने नागरिकों से अपील है कि 6 जुलाई को वन होम वन ट्री महाअभियान के तहत हर घर एक पौधा लगाएं। हम आपको दे रहे है निःशुल्क पौधे। पौधे हमारे सहयोग आपका। वृहद वृक्षारोपण अभियान से जुड़कर महाअभियान को सफल बनाएं और धरती को हरा-भरा बनाने में निभाएं अपनी भागीदारी।

प्रदर्शनकारी हुए भ्रमित, नियमानुसार वेतन और कटौती का निगम प्रशासन ने दिखाया डाटा

रिसाली (नव प्रदेश)। समय पर ईएसआई कटौती नहीं होने की जानकारी भ्रामक निकली। मंगलवार को निगम प्रशासन ने सभी ठेका श्रमिकों का दस्तावेज मंगाकर सार्वजनिक किया। इसके बाद प्रदर्शन करने वाले श्रमिक न केवल शांत हुए, बल्कि श्रमिकों का पक्ष लेकर हल्ला मचाने वाले विपक्ष दल के पार्षद भी दबे पांव लौट गए। कार्यालय खुलते ही कुछ कर्मचारी परिसर में एकत्र होने लगे थे। उनका कहना था कि वे ठेका श्रमिक है। निगम ठेकेदार को हर माह एजेंसी को लाखों का भुगतान करती है। इसके बाद भी उनका हक उन्हें नहीं मिल रहा है। ईएसआई और पीएफ का पैसा उनके खाते में जमा नहीं हो रहा है। यही मामला धीरे-धीरे गरमाने लगा और कार्यालय में प्रदर्शन का रूप ले लिया। स्थिति को देखते हुए निगम के अधिकारियों ने न केवल एजेंसी को तलब किया, बल्कि सारे दस्तावेज को खंगालने के बाद स्थिति को स्पष्ट किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के साथ आवाज बुलंद करने वाले लौट गए।

आईकॉनिक वीक पर कला मंदिर में संगीत संध्या का किया गया आयोजन

भिलाई (नव प्रदेश)। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के तहत आईकॉनिक वीक पर संगीत संध्या कार्यक्रम 4 जुलाई को महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर, नगर पालिक निगम, रिसाली, सुश्री शशि सिन्हा उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रशासन), केके सिंह, कार्यपालक निदेशक (वित्त), डॉ एके पंडा, कार्यपालक निदेशक (माइन्स), तपन सूत्रधार, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), एस मुखोपाध्याय सहित मुख्य महाप्रबंधकगण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पूर्व प्रोफेसर और इतिहासकार डॉ किशोर अग्रवाल द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ की भूमिका पर व्याख्यान के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। डॉ अग्रवाल ने 1857 के विद्रोह के साथ अपना व्याख्यान शुरू किया और गांधीजी द्वारा शुरू किए गए स्वतंत्रता आंदोलन में किसान, महिलाएं और बच्चे शामिल थे जैसे महत्वपूर्ण विद्रोहों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 1920 में गांधीजी की दुर्ग यात्रा का विवरण भी दिया। इसके पश्चात् अमर शहीद वीर नारायण सिंह पर निर्मित फिल्म दिखायी गई। यह फिल्म एजीएम (टीएसडी) यशवंत साहू की धर्मपत्नी सुश्री सरिता साहू द्वारा बनाई गई है। इस अवसर पर सुश्री सरिता साहू द्वारा अमर शहीद वीर नारायण सिंह पर लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया गया। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के खेल एवं मनोरंजन समूह द्वारा विविध प्रकार के गीतों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स से सी-मार्ट का होगा संचालन

टेक्नॉलाजी का उपयोग कर अधिकारी करें कार्यो की सतत समीक्षा : कलेक्टर

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा भिलाई नगर के दौरे पर निकले थे, जहां उन्होंने आकाशगंगा सब्जी मंडी का मुआयना किया और पार्किंग व सफाई व्यवस्था को लेकर लोकल दुकानदारों से चर्चा की। मंडी में उन्हें कुछ जगह सफाई को लेकर अव्यवस्था दिखाई दी, जिस पर उन्होंने अपने साथ उपस्थित अधिकारियों को कार्य की प्रगति पर पैनी नजर रखने के लिए फोटोग्राफी और विडियोग्राफी जैसी टेक्नॉलाजी का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को कार्य के प्रोग्रेस की स्थिति जानने के लिए प्री व पोस्ट फोटोग्राफी तथा विडियोग्राफी करवाने के लिए कहा ताकि तुलनात्मक आधार पर आसानी से वस्तु स्थिति की समीक्षा की जा सके। उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान पब्लिक प्लेस का दुरूपयोग न हो इसके लिए भी उपस्थित अधिकारियों को विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा।

उचित प्रबंधन के लिए अकाशगंगा की सब्जी मंडी होगी शिफ्ट- कलेक्टर ने सब्जी मंडी के निरीक्षण के दौरान सब्जी मंडी के अध्यक्ष एवं वहां के व्यापारियों के साथ चर्चा की। जिसमें अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि सीमित क्षेत्र होने के चलते सब्जी मंडी के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है। सब्जी मंडी में पार्किंग व लोडिंग अनलोडिंग के लिए उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने उपस्थित जोन कमिश्नर को सब्जी मंडी के 110 व्यापारियों के साथ अवकाश के दिन मीटिंग लेने के लिए कहा। जहां व्यापारियों के साथ ही चर्चा करके प्लान बनाने व जमीन चिन्हित करने की बात कही ताकि भविष्य में शीघ्र से शीघ्र सब्जी मंडी को शिफ्ट कर उनकी समस्या का निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर नगर पालिका निगम भिलाई में स्थित सी-मार्ट भी पहुंचे थे। जहां उन्होंने सी मार्ट के बेहतर प्रबंधन के लिए स्किल्ड ह्युमन रिसोर्स द्वारा इसके संचालन कराने की बात कही। स्व-सहायता समूह के उत्पादों की बिक्री ज्यादा से ज्यादा हो उसके लिए बेहतर प्लान बनाने के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया ताकि समूह की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ पहुंचाया जा सके। पैकेजिंग और ब्रांडिंग मॉल के उत्पादों को देगी टक्कर - सी मार्ट में बेचे जाने वाले उत्पादों की बिक्री ज्यादा से ज्यादा हो इसके लिए यहां के उत्पादों की पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीसी टी.वी. कैमरा से रखी जाएगी पैनी नजर- सी मार्ट में सुरक्षा के उद्देश्य से सीसी टी.वी कैमरा युक्त बनाया गया है। जिसे सी-मार्ट के अंदर बने कंट्रोल रूम से कंट्रोल किया जाएगा। इसमें लगे कैमरे नाईट विजन को भी सपोर्ट करते हैं इस कारण कम रोशनी में भी ये बेहतर से बेहतर फीचर क्वालिटी प्रदान करेंगे। इससे सी मार्ट में रखे गए उत्पादों की निगरानी के साथ-साथ असामाजिक तत्वों पर भी आसानी से पैनी नजर रखी जा सकेगी।

भिलाई निगम क्षेत्र में आवारा पशुओं की धरपकड़ अभियान शुरू

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई, क्षेत्र अंतर्गत सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं की धरपकड़ की गई, साथ ही निगम का अमला पशुपालकों से रोका-छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों समझाईश दे रहे है कि वे अपने मवेशी के चारा, पानी सहित समुचित व्यवस्था स्वंय करें। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने गोधन को संरक्षित करने रोका-छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों को अपने मवेशी की सुरक्षा स्वंय करने, चारा, पानी की समुचित व्यवस्था करने कहा है जिससे अनावश्यक घूमने वाले मवेशियों के चलते परेशानी न हो। भिलाई निगम के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने बताया कि सड़कों पर आवारा पशुओं के घूमते हुए पाए जाने पर उन्हें पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। पकड़े हुए मवेशियों को शहरी गोठान में रखा जा रहा है और पशुमालिकों से अर्थदण्ड लेकर लौटाया जा रहा है, इसके बाद भी दोबारा पशुपालक के पशु आवारा की तरह सड़कों पर घूमते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा गोधन को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिए भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशु यातायात में बाधक बनकर दुर्घटना का कारण बनते हैं जिससे होने वाली दुर्घटना में पशुधन एवं जनधन दोनों की हानि होती है। निगम की अपील है कि इससे बचने के लिए पशुपालक अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर आवारा घूमने न दें। आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए परमेश्वर चंद्राकर ने बताया कि दल ने मुख्य रूप से आकाश गंगा सब्जी मंडी, प्रियदर्शनी परिसर, नेहरू नगर चौक से डबरापारा चौक तक नेशनल हाईवे, नंदिनी रोड, छावनी चौक, कुरूद, अवंती बाई चौक, गदा चौक, सुपेला चौक का निरीक्षण कर आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की। सड़क किनारे घूम रहे कई आवारा पशुओं की धरपकड़ अब तक की जा चुकी है।

आयुक्त पहुंचे विकास कार्यो का जायजा लेने, जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर पालिक निगम के नव नियुक्त आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे आज निगम क्षेत्रांतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यो के जायजा मौका पर पहुंचे वहां उन्होने चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया तथा संबंधित एजेन्सी व अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को जल्द कराने का निर्देश दिया। इस निरीक्षण के दौरान विभाग के अधिकारियों जिसमें उपायुक्त मोहन्द्र कुमार साहू, प्रभारी कार्यपालन अभियंता शंकर दयाल शर्मा, सहायक अभियंता प्रकाश थवानी, उपअभियंता विकास दामहे, पंकज साहू, भीमराव भी उपस्थित थे।नव नियुक्त आयुक्त विकास कार्यो का जायजा लेने सर्वप्रथम दीपक नगर में निर्माणाधीन आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा वहां निर्माणाधीन एजेन्सी व संबंधित अधिकारी को गुणवत्ता के साथ उक्त कार्य को समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये।उसके पश्चात् श्री सर्वे ठगडाबांध सौदर्यीकरण स्थल पहुंचकर वहां के कार्यो का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये तथा समय पर कार्य को पूरी करने निर्देशित किया।उन्होने शहर की महत्वकांक्षी योजना गौरव पथ का भी जायजा लिया उन्होने वहां पर हो रहे नाली, सड़क निर्माण कार्यो की गुणवत्ता को देखा व आवश्यक निर्देश दिये । साथ ही साथ जे.आर.डी.स्कूल में डी.एम.एफफण्ड से चल रहे स्कूल के रेनोवेशन कार्य को देखा, उन्होने उसके बारे में विस्तृत जानकारियां संबंधित अधिकारियों से लिया।

वन होम वन ट्री के तहत 6 जुलाई को रोपित किए जाएंगे पौधे

भिलाई नगर (नव प्रदेश)। वन होम वन ट्री के तहत 6 जुलाई को पौधे रोपित किए जाएंगे। 6 जुलाई को भिलाई निगम क्षेत्र में वृक्षारोपण को लेकर वृहद अभियान चलाया जा रहा है। महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने अभियान को सफल बनाने शहरवासियों से अपील की है। सभी जोन कार्यालय से पौधे प्राप्त होंगे, इसके लिए व्यापक तैयारियां की गई है तथा सभी जोन में पौधे उपलब्ध कराए गए है। वन होम वन ट्री का यह अभियान इसी के साथ ही 3 वर्ष बीत जाएगा। पौधे लगाने के साथ ही आम नागरिकों से पौधे को सहेजने की भी अपील है। निगम के मुख्य कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने भी स्टाल लगाकर पौधा वितरण किया जाएगा। ताकि जरूरतमंद नागरिकों को पौधा मिल सके और वे अपने घरों में पौधारोपण कर सकें। जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन के समन्वय से वन होम वन ट्री अभियान को सफल बनाया जायेगा।

आईकॉनिक वीक के दौरान संयंत्र और टाउनशिप में स्वच्छता अभियान का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में ÷आजादी का अमृत महोत्सव÷ समारोह के तहत सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ने की थीम को चिह्नित करने के लिए भिलाई टाउनशिप में आज दिनांक 05 जुलाई, 2022 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। टाउनशिप विभाग द्वारा प्लास्टिक बैग हटाने का अभियान चलाया गया जिसमें टाउनशिप के अधिकारियों, खिलाड़ियों और पैदल चलने वालों राहगीरों ने भी अपनी जनभागीदारी दी। इन्होंने अपना बाजार के पास के क्षेत्र को साफ कर प्लास्टिक मुक्त किया। महाप्रबंधक प्रभारी (टाउनशिप), श्री के सी त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएसडी), श्री संजय कुमार, महाप्रबंधक (बागवानी), डॉ जी के दुबे, उप महाप्रबंधक (बागवानी), डॉ एन के जैन, उप महाप्रबंधक (टीएसडी), श्री के के यादव सहित टीएसडी विभाग के अन्य अधिकारी, टाउनशिप के कार्मिक, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग और कबड्डी के खिलाड़ी अपना बाजार, सिविक सेंटर, भिलाई के पास एकत्र हुए और परिसर को पॉलीथिन मुक्त कर साफ बनाया। नगर सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने 05 जुलाई, 2022 को टाउनशिप में बोरिया गेट के पास विश्राम सुविधाओं का निरीक्षण किया। यह एक नई सुविधा विकसित की जा रही है जिसका उपयोग बोरिया गेट में आने वाले और बाहर जाने वाले भारी वाहनों के चालकों और सहायकों द्वारा किया जा सकेगा। इस विश्राम गृह में पीने के पानी, नहाने और शौचालय की सुविधा है। यह भिलाई टाउनशिप में गुणवत्ता और परिवेश के मामले में नवीनतम मानकों के साथ एक आधुनिक सुविधा है। यह विश्राम गृह की सुविधा सभी के लिए चौबीसों घंटे उपयोग हेतु उपलब्ध होगी। 'स्विच टू स्टील' थीम वाली चलित प्रदर्शनी ने 05 जुलाई, 2022 को भिलाई के सबसे पुराने स्कूल भिलाई विद्यालय का दौरा किया। स्कूलों में स्टील में स्विच करने की अपील के साथ पैम्फलेट वितरित किए गए और बच्चों द्वारा पॉलीथिन को त्यागने का संकल्प लिया गया। इसके पश्चात मोबाइल वैन ने भिलाई में सीएसआर विभाग के कार्यालय से मॉडल स्टील गांव डूमरडीह, डुंडेरा, गनियारी सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया।

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र-193//अ-20(1)/ वर्ष 2021 -22

आवेदक रविशंकर ब्रम्हभट्ट आ. स्व. परदेशीराम ब्रम्हभट्ट निवासी वार्ड नं. 02 राजीव नगर दुर्ग द्वार इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 29ए प्लाट नं. 09 रकबा 1744 वर्गफीट भूमि धारक परदेशी पिता कपिलनाथ ब्रम्हभट्ट एवं अन्य के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारक परदेशीराम की मृत्यु दिनांक 30/08/2019 को हो चुकी है। मृतक सहधारक के विधिक वारिसान उनकी पत्नि मोहिनी बाई पुत्र-पुत्री रविशंकर, हरिशंकर, प्रेमशंकर रमा है। इसके अतिरिक्त अन्य वारिसान नहीं है। आवेदक द्वारा मृतक सहधारक का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर उनके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम फौती नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 8/7/2022 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22/6/22 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं श्रीमती जान्हवी वर्मा (JAN-HAWI VERMA) ध.प. श्री रमेश कुमार वर्मा, उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम धनोरा म.नं. 47, पो. हनोदा तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) की हूं तथा मेरी पुत्री साक्षी वर्मा (SHAKSHI VERMA) जो कि केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में शिक्षा अध्ययन हेतु प्रवेश किया है। प्रवेश केसमय मेरी अर्थात श्रीमती जान्हवी वर्मा का नाम हिन्दी में सही दर्ज है किन्तु अंग्रेजी में मेरा नाम (JANHAWI VERMA) दर्ज होना था जिसमें से एक अंग्रेजी वर्ण एच (H) के बाद ए (A) दर्ज होना था वह छूट गया है और मेरी वास्तविक नाम अंग्रेजी में (JANHAWI VERMA) दर्ज कराने हेतु त्रुटि सुधार बाबत शिक्षा विभाग में गजट प्रकाशन की मांग किया गया है। मेरी सभी दस्तावेज आधार कार्ड, पेश कार्ड, परिचय पत्र एवं बैंक पासबुक सभी में मेरा सही नाम अंग्रेजी में (JANHAWI VERMA) दर्ज है। केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में मेरी पुत्री के शिक्षण दस्तावेजों में स्पेलिंग में हुई त्रुटि सुधार करने बाबत गजट राज पत्र में प्रकाशन कर सुधार हेतु यह शपथ पत्र निष्पादन किया गया है।

अत: आज दिनांक 05/07/22 से मेरी सही नाम श्रीमती जान्हवी वर्मा (JANHAVI VERMA) के नाम से जाना जावें।

मुहर — शपथकर्ती, जान्हवी वर्मा

नाम-परिवर्तन

मैं श्रीमती जान्हवी वर्मा (JAN-HAWI VERMA) ध.प. श्री रमेश कुमार वर्मा, उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम धनोरा म.नं. 47, पो. हनोदा तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) की हूं तथा मेरी पुत्री माहि वर्मा (MAHI VERMA) जो कि केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में शिक्षा अध्ययन हेतु प्रवेश किया है। प्रवेश के समय मेरी अर्थात श्रीमती जान्हवी वर्मा का नाम हिन्दी में सही दर्ज है किन्तु अंग्रेजी में मेरा नाम (JANHAWI VERMA) दर्ज होना था जिसमें से एक अंग्रेजी वर्ण एच (H) के बाद ए (A) दर्ज होना था वह छूट गया है और मेरी वास्तविक नाम अंग्रेजी में (JAN-HAWI VERMA) दर्ज कराने हेतु त्रुटि सुधार बाबत शिक्षा विभाग में गजट प्रकाशन की मांग किया गया है। मेरी सभी दस्तावेज आधार कार्ड, पेश कार्ड, परिचय पत्र एवं बैंक पासबुक सभी में मेरा सही नाम अंग्रेजी में (JANHAWI VERMA) दर्ज है। केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में मेरी पुत्री के शिक्षण दस्तावेजों में स्पेलिंग में हुई त्रुटि सुधार करने बाबत गजट राज पत्र में प्रकाशन कर सुधार हेतु यह शपथ पत्र निष्पादन किया गया है।

अत: आज दिनांक 05/07/22 से मेरी सही नाम श्रीमती जान्हवी वर्मा (JANHAVI VERMA) के नाम से जाना जावें।

मुहर — शपथकर्ती, जान्हवी वर्मा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202207100900007/202207100900007
विषयः अ-6 सन्- 2021-2022

मामले की श्रेणी-राजस्व

खम्हरिया प.ह.न. 00040
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - / बाबूलाल उर्फ चिन्ता राम अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक बाबूलाल उर्फ चिन्ता राम आ. प्यारीराम निवासी ग्राम खम्हरिया तह. पाटन द्वारा आवेदन पेश किया है कि ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 40 तह. पाटन में स्थित भूमि खसरा नं. 81, 122, 172/1 रकबा क्रमशः 0.13, 0.09, 0.08 हे. राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आधार कार्ड बैक पासबुक में बाबूलाल पटेल आ. प्यारी दर्ज है। उनके द्वारा राजस्व अभिलेख में बाबूलाल उर्फ चिन्ताराम आ. प्यारीराम दर्ज किए जाने आवेदन किया है। उक्त प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 18/7/2022 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2022 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार, पाटन (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र ब/121 /वर्ष 2021-22
ग्राम नंदिनीखुंदनी प.ह.नं.31

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पन्ना जांगड़े आ. स्व. आशाराम जांगड़े साकिन नंदिनी खुंदनी प.ह.नं.31 तह. धमधा जिला दुर्ग ने ग्राम नंदिनी खुंदनी स्थिति स्वयं/शामिलात खाते की कृषि भूमि खसरा नं. ग्राम नंदिनी खुंदनी में आवेदक के रिश्ते इंदिरा बाई पति आशाराम क्र. दिनांक 19/5/2008 का मृत्यु हो गई है। उक्त संबंध में आवेदन इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

यदि जिस किसी भी व्यक्ति को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने के संबंध में कोई उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, धमधा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका जिवेणी साहू आ./पति नारायण सिंह साहू साकिन रिसाली भिलाई के द्वारा ग्राम धनोरा प.ह.न 39 रा.नि.मं. उतई तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1017/2 का टुकड़ा रकबा 2188 वर्गफीट भूमि श्रीमती सरोज शर्मा पति सीताराम शर्मा से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 24/3/17 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणिकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायाालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 14/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202206101000241/202206101000241
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कचान्दुर प.ह.न. 00017 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - सीताराम वर्मा / अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीताराम वर्मा पिता/पति/विभाग स्व. लखन लाल वर्मा पता कचान्दुर द्वारा ग्राम कचान्दुर प.ह.न 17 रा.नि.म जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.न 402, 875/1, 875/4, 930/2, 1141 रकबा 0.130, 0.370, 0.0300, 0.440, 0.050 हे. है जो उसके श्रीमती कौशिल्या वर्मा पति स्व. लखनलाल वर्मा के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी श्रीमती कौशिल्या वर्मा स्व. लखनलाल वर्मा की मृत्यु हो जाने के कारण मृतक अपने मृत्यु पूर्व आवेदक के पक्ष में वसीयतनामा निष्पादित किया था भूमिस्वामी के मृत्यु हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय खसरा बी-1 मृत्यु प्रमाण की छाया की प्रति प्रस्तुत किया है। अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 20/7/2022 तक या उसकेपूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/6/22 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार, भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र- 202206100700490//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बरखा मनीष राठी पति सव. मनीष राठी अन्य-2 निवासी ग्राम महेश कालोनी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पुलगांव तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 130/35 रकबा 0.028 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार मनीष राठी की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग के न्यायालय में मामला

मामले की श्रेणी-राजस्व

क्रमांकः सीजी 5106427062022050
कसारीडीह प.ह.न. 00056 हे.

ईश्तहार

तह. दुर्ग के प.ह.नं. 00056 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के भूमिस्वामी सविता पिता/पति स्व. बिसाहू राम सोनकर पता कसारीडीह वार्ड नं. 40 दुर्ग तह. व जिला दुर्ग छ.ग., जानकी पिता/पति स्व. बिसाहू राम सोनकर पता कसारीडीह वार्ड नं. 40 दुर्ग तह. व जिला दुर्ग छ.ग., लता पिता/पति स्व. बिसाहू राम सोनकर पता कसारीडीह वार्ड नं. 40 दुर्ग तह. व जिला दुर्ग छ.ग., गीता पिता/पति स्व. बिसाहू राम सोनकर पता कसारीडीह वार्ड नं. 40 दुर्ग तह. व जिला दुर्ग छ.ग., के द्वारा धारित भूमि खसरा नं. 513/11 (0.0031), 513/14 (0.0044), 513/4/1 (0.0053), 153/1 (0.2698) में नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/7/22 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायानय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि के पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 4/7/22 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र- //अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयंत कुमार साहू पिता तीकाराम साहू निवासी ग्राम सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 492/81 रकबा 0.014 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार तीकाराम साहू की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र- //अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आरनी गोपाल चिमा पति स्व. आरनी प्रहलाद गुरू गोपाल निवासी ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 150/78 रकबा 0.014 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार ए.आर. प्रहलाद की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/7/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/6/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र-//अ-74/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक आशा शर्मा आ. अजय शर्मा निवासी गंजपारा दुर्ग द्वारा ग्राम थनौद प.ह.नं. 28 रा.नि.मं. दुर्ग तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 974/4 रकबा 0.0280 हे. भू.रा. .... रूपए से संबंधित ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए जाने संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उपरोक्त भूमि द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18/7/22 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 1/7/22 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती आरती जांगिड़ | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202206100400379

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती आरती जांगिड़ पति श्री अनिल कुमार जांगिड़ निवासी रिसाली सेक्टर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	1218/5	0.017 हें 1820 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/6/22 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती किरण धुरंधर | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202206100400380

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती किरण धुरंधर पति श्री विनय कुमार वर्मा निवासी क्वा नं. 02/ई सड़क नं.53 सेक्टर-8 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	1218/10	0.015 हें 1609 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/6/22 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती शिवानी सिंह | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202206100400377

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती शिवनी सिंह पति श्री प्रताप सिंह निवासी बी-1 डी.पी.एस. स्टाफ क्वाटर रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	1218/4	0.017 हें 1800 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/6/22 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट | पक्षकार का नाम श्रीमती बिपाशा राय सोखी | ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202206100400376

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती बिपाशा राय सोखी पति श्री जगदीप सिंह सोखी निवासी बी-2 डी.पी.एस. स्टाफ क्वाटर रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	1218/11	0.015 हें 1600 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21/6/22 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

लक्ष्मण राजपूत राष्ट्रीय कलाकार एसोसिएशन के प्रदेश प्रभारी मनोनित

देवकर/नवप्रदेश। बेमेतरा जिला के अंतर्गत आने वाले ग्राम बुंन्देला से लक्ष्मण राजपूत को राष्टीय कलाकार एसोसिएशन का छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी मनोनित किया गया है। मनोनयन का पत्र जारी करते हुए राष्टीय अध्यक्ष मिनहाज सोहाग्रवी जी ने बधाई दी और उम्मीद जताया की आप कला संस्कृति और कलाकारों के उत्थान के प्रयासरत रहिए। राष्टीय कलाकार एसोसिएशन के द्वारा लक्ष्मण जी को उनके अच्छे कार्यो के लिए प्रमोशन देते हुए सम्मानित किया गया है। आपके कुशल नेतृत्व और क्षमता को देखते हुए संस्था के सभी पदाधिकारी ने आपके उज्जवल भविस्य की कामना करते हुए बधाई दिए छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया पटनिहा शुभकामनाएं एवं बधाई दी आप पहले प्रदेश महासचिव के पद संभाल रहे थे आपका अच्छा कार्य देखते हुए सबसे बड़े पद छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी पद के साथ प्रमोशन किया जा रहा है सभी तरफखुशी का महोल बना हुआ है बधाई आ रहे हैं हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि आप फिर से वही कमाल करे कार्य संस्था को आपके ऊपर गर्व है राष्टीय कलाकार एसोसिएशन में टाइगर इज बैक वापस आ रहा है बहुत बहुत धन्यवाद दिया प्रदेश प्रभारी [illegible] जी ने आदरणीय संतोष कुमार सिंह प्रदेश प्रभारी गुजरात के पदाधिकारी को दिया स्पेशल और राष्टीय अध्यक्ष मिनहाज सोहाग्रवी, इरशाद खान, संतोष पाल, गोविंद सिंह, जितेंद्र सिंह जीतू, एवं राष्टीय कलाकार एसोसिएशन के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद दिए।

बैंक अधिकारी जिला प्रशासन को गुमराह कर रहे : मुरलीधर सिन्हा

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिला के सहकारिता नेता एवं मार्केटिंग सोसायटी गरियाबंद अध्यक्ष मुरलीधर सिन्हा ने एक जानकारी में बताया कि जिला प्रशासन गरियाबंद ने जिले में 70 प्रतिशत खाद का भंडारण हुआ है कहा है किन्तु बैंक

अधिकारियों के घोर लापरवाही के चलते अब तक प्राथमिक सहकारी समितियों में परिवहन नहीं हुआ है फलस्वरूप जिले के किसान खाद के लिये भटक रहे हैं और समय पर कृषि कार्य में लगने वाले रासायनिक खाद बिचौलियों व व्यापारियों से ऊँची दाम पर खरीदने मजबूर है। श्री सिन्हा ने बताया कि रासायनिक खाद की उपलब्धता जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड गरियाबंद द्वारा अपने गोदामों में समय पूर्व भंडारण करता है जो इस खरीफसीजन में 19930 मैट्रिक टन खाद का भंडारण किया हैं जिसमें नीम लेपित यूरिया 12641, डीएपी 4158, सिंगल सुपर फॉस्फेट 1821, पोटाश 1310 मैट्रिक टन खाद का भंडारण किया जा चुका है, जिला प्रशासन का यह कहना ठीक है कि खाद का भंडारण 70 प्रतिशत हुआ है जो पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक है लेकिन खाद सहकारी समितियों में परिवहन होगा तब तो किसान खरीद पायेगा? यह भी जानकारी मिली है कि ट्रांसपोर्टर के राजनीतिक पहुँच के कारण अपना मोनोपल्ली चलाता है जिसके कारण बैंक अधिकारी भी कुछ नहीं कर पाता है। सहकारिता नेता श्री सिन्हा ने बताया कि जिले में मार्कफेड के गोदाम राजिम में 4866, फिंगेश्वर 2632, छुरा 4628, गरियाबंद 3651, मैनपुर 1418 गोहरापदर 1197 और देवभोग में 1638 मैट्रिक टन खाद का भंडारण किया जा चुका है। भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि बैंक अधिकारियों को परिवहन कराने हेतु कड़ाई से निर्देश दें और किसानों को बिचौलियों की लूट से बचावें।

कृषि मंत्री चौबे ने प्रदान किया स्वेच्छा अनुदान चेक

साजा/नवप्रदेश। कृषि मंत्री रविंद्र चौबे का 4 जुलाई को नगर पंचायत साजा के

विश्राम गृह साजा में आगमन हुआ। जिसमें नगर पंचायत साजा निवासी पायल यादव वार्ड क्रमांक 01 एवं प्रज्ञा गुप्ता वार्ड क्रमांक 07 निवासी को उच्च शिक्षा हेतु एक एक लाख रुपये की स्वेच्छा अनुदान राशि दी गई। उक्त अवसर पर जिसमें जिसमें उक्त अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मनोज जायसवाल, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा, दिनेश वर्मा जनपद अध्यक्ष साजा, सभापति अवधेश गोयल, एल्डरमैन जितेन्द्र जैन, दिनेश साहू, तोप सिंह, राजा चौबे, कृष्णा राठी, नरेंद्र टावरी, प्रकाश सिन्हा, बसंत मनहरे, शिव कौशिक सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202206113700143

विषय-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व 2021-22
फुंडहर (प.ह.नं. 00068)
पक्षकारों का विवरण :-
आवेदक पक्षकार- श्रीमती मालती साहू,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मालती साहू पति स्व. श्री जगदेव साहू निवासी जरौद थाना मंदिर हसौद आरंग, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा इस न्यायालय में धारा 110 छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया गया है कि आवेदक के द्वारा ग्राम फुंडहर प.ह.नं. 68, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 183/2, 101/5, 55/9 रकबा क्रमशः 0.1420, 0.0080, 0.3800 हे. कृषि भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदिका के पति जगदेव साहू पितास्व. श्री सुकालू राम साहू एवं अन्य सहखातेदार रामा, रमउ, जगदीश, दुरपती, मंथीरराम, (मृतक जगदेव) बलदेव, सातो, गौकरण पिता स्व. श्री सुकालू, श्रीमती प्रमिला बेवा मंतराम, मंजू, गौरी, अंजू, योगेश, हितेश पाचो पिता स्व. मंतराम के नम पर संयुक्त रूप से दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी सहखातेदार जगदेव साहू पिता स्व. श्री सुकालू राम की मृत्यु दिनांक 22/04/2021 को हो चुकी है। मृतक सहखातेदार जगदेव साहू पिता स्व. श्री सुकालू राम साहू के विधिक वारिसान में 01. पत्नि श्रीमती मालती साहू 02. पुत्र मृतक पीलाराम साहू 03. पुत्र देवानंद साहू 04. पुत्री संध्या 05. पुत्र दीपक चारों पिता स्व. जगदेव साहू है, इनके अतिरिक्त अन्य कोई नहीं है। तथा मृतक सहखातेदार जगदेव साहू पिता स्व. श्री सुकालू राम साहू के पुत्र पीलाराम साहू पिता स्व. श्री जगदेव साहू की मृत्यु दिनांक 11/11/2011 को हो चुकी है, जिनके विधिक वारिसान में 01. पत्नी श्रीमती त्रिवेणी बेवा पीलाराम 02.ना.बा. कविता पिता स्व. पीलाराम वली माता त्रिवेणीसाहू है, इनके अतिरिक्त अन्य कोई नहीं है। इस प्रकार उक्त आवेदित भूमि में मृतक भूमिस्वामी सहखातेदार के नाम को राजस्व अभिलेख में विलोपित कर विधिक वारिसानगण अपना नाम दर्ज किए जाने एवं अन्य सहखातेदार के नम को यथावत रखे जाने हेतु निवेदन किया गया है। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 14/07/2022 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/06/2022 को जारी किया जाता है।

सील
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

चिटफंड कंपनियों की संपत्ति की जांच गंभीरता से करें : कलेक्टर

मुख्यमंत्री जनचौपाल, जनदर्शन और क्षेत्र भ्रमण में मिले आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के दिए निर्देश

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के नवदस्थ कलेक्टर जमनेजय महोबे ने आज सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों के संबंध में अधिकारियों से वन-टू-वन जानकारी प्राप्त की और लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जनचौपाल, कलेक्टर जनदर्शन, माननीय मंत्रियों से प्राप्त लंबित आवेदनों की गहनता से समीक्षा की। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि जिले के सुदूर एवं दूरदराज के लोग बड़ी उम्मीद से अपनी मांग, शिकायत और समस्याओं से सबंधित आवेदन लेकर यहां आते है। जिले में मुख्यमंत्री जनचौपाल से प्राप्त आवेदनों में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है। ज्यादातर आवेदन शिक्षा विभाग से लंबित है। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि मुख्यमंत्री जनचौपाल, कलेक्टर जनदर्शन, माननीय मंत्रियों से प्राप्त आवेदनों की संबंधित विभाग पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकरण करें और संबंधित विभाग निराकरण की दिशा में तेजी लाए और निराकरण की स्थिति से संबंधित आवेदनों को इसकी विधिवत सूचना भी दें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री बीएस उईके, वनमंडाधिकारी श्री चुड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने बैठक में शासन की जनकल्याणकारी व महत्वाकांक्षी सभी योजनाओं की वन-टू-वन समीक्षा करते हुए योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ सरकार के निर्देश के बाद चिटफंड कंपनियों के जाल में फंस कर अपनी गाढ़ी कमाई लुटा चुके लोगों को उनके रुपए वापस कराने

की कवायद की कार्यवाही एवं प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री महोबे ने जिले के पूर्व में कार्यरत सभी चिंटफंट कंपनियों की संपत्तियों की गहनता से जांच करने के पुनः निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री बीएस उइके ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश के बाद चिंटफंट के प्रलोभन के शिकार हो चुके लोगों के धन वापसी के लिए आवेदन लेने से लेकर कंपनीवार सभी आवेदनों की स्कुटनी कर ली गई है। इस संबंध में जिले में 32 हजार आवेदन प्राप्त हुए, जिनके द्वारा लगभग 70 करोड़ निवेश करने की जानकारी मिली है। जिले में 181 चिटफंट कंपनियां काम कर रही थी। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच में अभी तीन चिटफंट कंपनियों की संपत्ति कबीरधाम जिले में पाया गया है। एक चिंटफंट कंपनी की संपत्ति की कुर्की की कवर्धा तहसील में कार्यवाही भी चल रही है। कलेक्टर श्री महोबे ने इस संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री हाट-बाजार की समीक्षा करते हुए जिले में चिन्हांकित 84 हाट-बाजारों की संख्या और बढ़ाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने जिले के आदिवासी बैगा बाहुल्य बोड़ला और पंडरिया विकासखण्ड के सूदूर वनांचल ग्रामों को मुख्यमंत्री हाट-बाजार से जोड़ते हुए उन क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर जांच कराने निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत जिले मे चल रही कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों में गरम पका भोजन को विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सी-मार्ट के संचालन हेतु की जा रही कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और सी-मार्ट का संचालन शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य शासन के विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत संचालित महिला स्व-सहायता समूहों, शिल्पियों, बुनकरों, दस्तकारों, कुंभकारों अथवा अन्य पारम्परिक एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों का समुचित मूल्य सुनिश्चित और व्यावसायिक ढंग से मार्केटिंग किया जा सके, जिससे उक्त सभी वर्गों के उद्यमियों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो। कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देश पर जिले में होने वाले वृहद पौधारोपण की संबंध में जानकारी लेते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, आदिम जाति विकास एवं अन्य विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वनमण्डलाअधिकारी ने बताया कि जिले में इस वर्ष एक लाख विभागीय पौधा रोपण किया जाएगा। हरितप्रसार के तहत 5 लाख पौधे रोपण किए जाएंगे। साथ ही 7 पौधे जिले के किसानों, स्वयंसेवी संस्थानों, संगठनों को निःशुल्क वितरण करने के लक्ष्य रखा गया है।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में गोधन न्याय योजना, रूलर इंडस्ट्रीज पार्क, सुराजी गांव योजना, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, आबादी चारागाह, बाड़ी विकास योजना, हॉट बाजार योजना, स्लम स्वास्थ्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, धनवंतरी, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना, चिटफंड, वृक्षारोपण, कौशल विकास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ शहर, राजीव गांधी न्याय योजना, धान के बदले अन्य फसल, जन जन तक स्वास्थ्य सुविधा, जिला अस्पताल, राजस्व संबंधी - नामांतरण, बंटवारा, नजूल भूमि आबादी के संबंध में समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों के सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया शासन की सभी महत्वकांक्षी योजनाओं की समय-सीमा में नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। संबंधित विभाग के अधिकारी अपनी पूरी जानकारी के साथ बैठक में आए।

अच्छे संस्कार से परोपकार की भावना होती है जागृत : गुप्ता

उतई/नवप्रदेश। ।बी एजुकेटेड मूवमेंट यूएसए एवं नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार से सम्बद्ध शौर्य युवा संगठन आदर्श ग्राम कोड़िया द्वारा पुस्तक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत इक्कीस बच्चों को पाठ्यपुस्तक एवं पठन सामग्री वितरित की गई।शौर्य युवा संगठन के शिक्षा एवं पुस्तकालय विभाग प्रभारी सुरेश साहू ने बताया कि विभाग के पुस्तक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत हर वर्ष 40-50 जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तक, गाइड, कापियां सहित आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान की जाती है। पुस्तक सहायता कार्यक्रम के चौथे सत्र के प्रथम चरण में 21 बच्चों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री प्रदान की गई साथ ही द्वितीय चरण में 25 बच्चों को सामग्री प्रदान की जाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अभी तक लगभग 300 बच्चे लाभान्वित हो चुके हैं।

पुस्तक वितरण कार्यक्रम में ग्राम सरपंच चन्द्रभान सारथी, संकुल केंद्र कोड़िया के प्रभारी एवं प्राचार्य अनिल कुमार गुप्ता, शौर्य संगठन के संरक्षक एवं समाजसेवी मलेश निषाद, संगठन अध्यक्ष फलेंद्र पटेल, सचिव आदित्य कुमार, सलाहकार ईशु साहू सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।प्राचार्य अनिल कुमार गुप्ता ने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए कहा जीवन का पहला 25 वर्ष कड़ी मेहनत एवं संघर्ष का समय होता है इस समय जो भी सही दिशा में मेहनत करता है उसका आगे का पूरा 75वर्ष सुखद एवं आरामदायक होता है। वर्तमान समय में यदि विद्यार्थियों की जीवन शैली अनुशासित और व्यवस्थित है तो विद्यार्थी हमेशा तनावमुक्त रहेगा। वर्तमान समय में व्यक्तियों में संस्कारों का अभाव है। अच्छे संस्कार से परोपकार करने की भावना आती है। इसी का परिणाम है कि शौर्य संगठन के सभी परोपकार के कार्यों में निरंतर लगे हुए हैं। प्राचार्य गुप्ता जी ने बच्चों को अपने तरफसे कापियां भी वितरित की। सरपंच चन्द्रभान सारथी ने कहा हमारे समय में इस तरह की सुविधाएं एवं मार्गदर्शको की कमी थी। समय पर मार्गदर्शन की कमी के कारण बच्चों को सही जानकारी एवं सुविधाएं नहीं मिल पाती थी। छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए शौर्य संगठन का प्रयास सराहनीय है।

समाजसेवी मलेश निषाद, अध्यक्ष फलेंद्र पटेल, सचिव आदित्य भारद्वाज ने भी लाभान्वित छात्रों को प्रेरित किया।

शासन-प्रशासन की योजनाओं का करें बेहतर क्रियान्वयन : शुक्ला

नवपदस्थ कलेक्टर ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

बेमेतरा/नवप्रदेश। नव पदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने आज मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के दृष्टि-सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। सर्वप्रथम अधिकारियों से परिचय प्राप्त उपरांत बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। इस दौरान उन्होने अधिकारियों से जिले में संचालित शासन की विभिन्न योजनाओं का विभागवार जानकारी ली और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। जिलाधीश ने कहा कि शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिले इस दिशा में अधिकारी परस्पर समन्वय से कार्य करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होने जिले मे विकास के गति को आगे बढ़ाने के संबंध में कहा कि शासन की योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन पर फोकस रहेगा साथ ही प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर जिलेवासियों को लाभांवित करने पर जोर रहेगा। उन्होने कहा कि गौठानों को आजीविका गतिविधियों का केन्द्र बनाकर ग्रामीणों को स्वरोजगार से

जोड़ने के कार्यों को भी लगातार संचालित किया जायेगा। इस दौरान उन्होने खाद्य विभाग को पात्र हितग्राहियों के पात्रतानुसार राशनकार्ड बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के विधानसभावार प्रस्तावित भेंट-मुलाकात दौरा कार्यक्रम के तैयारियों की जानकारी ली। उन्होने कहा कि सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कर लेवें। उन्होने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों के साथ बेहतर संचालन किया जाये। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रवेश एवं स्टाफकी भर्ती के संबंध में जानकारी ली। जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, किसानों से जुड़ी समस्याओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। शासन के कृषि आधारित योजना का लाभ किसानों तक अवश्य पहुंचे। उन्हे खाद-बीज का सामना न करना पड़े। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कोविड टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली। फ्रंट लाईन वर्कर्स को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण के निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी से हाई/हायर सेकण्डरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत टीकाकरण पर विशेष रुप से जोर दिया साथ ही स्कूली बच्चों के आय एवं जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी ली। सीएमओ से जिले के नगर पंचायतों में धन्वंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर के संचालन के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि नागरिकों को किफायती दर पर दवा उपलब्ध हो।

कृषि विभाग के अधिकारियों से अधिक दर पर खाद की बिक्री की शिकायत मिलने पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप सचालक कृषि ने बताया कि जिला स्तर पर एक टीम गठित है जो समय-समय पर खाद एवं दवा दुकानों का निरीक्षण करते हैं। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक से जिले में निराश्रित पेंशन के संबंध में जानकारी ली और समय पर इसका भुगतान करने के निर्देश दिए। खेल अधिकारी से राजीव युवा मितान क्लब के संबंध में जानकारी ली। खेल अधिकारी ने बताया कि जिले में 450 राजीव युवा मितान क्लब का गठन कर लिया गया है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृता की घर वापसी

आरोपी द्वारा शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता से किया बालात्कार

आरोपी पुलिस को देखकर पीड़िता को बस बैठाकर फरार हो गया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। 3 जुलाई 2022 को डोंगरगांव निवासी द्वारा थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि इनकी नाबालिग लड़की उम्र लगभग 17 साल 15 दिन की जो घर से मोबाईल बनाने जा रही हूं कहकर घर से निकली थी जो शाम रात तक घर वापस नहीं आने पर शंका होने पर कि किसी अज्ञात आरोपी बिना बताये बहला-फुसलाकर ले गया है कि रिपोर्ट पर करने पर थाना डोंगरगांव में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की संपूर्ण जानकारी वरिष्ट अधिकारियो को दी गई। पुलिस अधीक्षक जिला संतोष सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानपुर पुपलेश कुमार एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अं. चौकी अर्जुन कुर्रे के मार्गदर्शन मे घटना की गंभीरता को देखते हुए एवं ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत अपहृता की सकुशल वापसी हेतु मुखबीर मामुर कर तकनीकी शाखा से लगातार सहायता लेकर पीड़िता एवं आरोपी की पतासाजी जारी रखा। मामले के विवेचना क्रम में उप निरीक्षक प्रदीप कंवर के नेतृत्व में अपहृता एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना डोंगरगांव पुलिस टीम रवाना किया, जो आज 4 जुलाई 2022 को आरोपी अपहृता के साथ कुमरदा मे है पता चलने पर पुलिस टीम रवाना हुआ, जहां आरोपी द्वारा पुलिस की आने की सूचना मिलने पर वह कुमरदा मे पीड़िता को डोंगरगांव के लिए बस बैठाकर फरार हो गया। पीड़िता अपने माता-पिता के साथ थाना हाजिर आकर बतायी कि पीड़िता का परिचय विकास नेताम से हुआ था, जो शादी का प्रलोभन देकर मुझे धोखे से बुलाकर वह अपने साथ कोकड़ी महाराष्ट्र ले गया और शादी का प्रलोभन देकर दो दिन तक शारीरिक संबंध बनाना बतायी है और शादी नही करूंगा कहकर मुझे छोड़कर बस बैठाकर फरार हो गया। मामले में आरोपी विकास नेताम फरार है।

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर ने लिया चार्ज

राजनांदगांव। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर डोमन सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व नवपदस्थ कलेक्टर श्री सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया।उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डोमन सिंह वर्ष 2009 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण के दौरान अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, संयुक्त कलेक्टर मती इंदिरा सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय, एसडीएम राजनांदगांव अरूण वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सरस्वती बंजारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा ठाकरे, डिप्टी कलेक्टर अमिय वास्तव, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता उपस्थित थे।

OFFICE OF THEEXECUTIVE DIRECTOR (STORE & PURCHASE)
Third Floor,SLDC Building, CSPTCL, Danganiya Raipur-492013

No.02-16/ ED/TR-22/ S&P/11/807 — Raipur, Date:-05.07.2022

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from experienced eligible out source agencies for deployment of 05 Nos. Computer operators contract basis in the office of Executive Engineer (Area Store), CSPTCL, Bhilai for a period of one year, detailed here as under:-

SN	Tender No.	Particulars	Qty	E.M.D	Last date of submission of tender	Due date of opening of tender
01.	TR-22/ S&P/11 dtd. 05/07/2022	Computer Operator	05Nos.	11,389/-	14/07/2022 (15.00Hr.)	14/07/2022 (15.30Hr.)

Note:1. Other details of NIT,please visit our website www.cspc.co.in 2. Tender cost:- printed form Rs.1180/-

EXECUTIVE DIRECTOR(S&P), CSPTCL, RAIPUR

SAVE ELECTRICITY S.-33095/1

छत्तीसगढ़ शासन
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर
अटल नगर

// अधिसूचना //

नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 30/06/2022

क्रमांक एफ 1-6/2022/18- छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन 1961) की धारा 5-क में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद् द्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायत क्षेत्र को नगर पालिका कवर्धा, जिला-कबीरधाम की सीमा में शामिल करने का अभिप्राय प्रकट करता है :-

अनुसूची-1

प्रस्तावित नगर पालिका कवर्धा की सीमा में सम्मिलित किए जाने वाले ग्राम पंचायत क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	नगर पालिका कवर्धा में सम्मिलित किए जाने वाले क्षेत्रों का विवरण	जनसंख्या (वर्ष 2011)
1	ग्राम पंचायत घोठिया (आंशिक बाह्य वृद्धि क्षेत्र)	1185

अनुसूची -2

कवर्धा नगर पालिका की सीमाएं निम्नानुसार होंगी :-

ग्राम पंचायत घोठिया (आंशिक बाह्य वृद्धि क्षेत्र) की सीमा एवं नगर पालिका कवर्धा की सीमाएं ही नगर पालिका कवर्धा की सीमा होंगी।

उपरोक्त आशय के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 10 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा व्यक्ति अपनी आपत्ति/ सुझाव लिखित में कलेक्टर कबीरधाम को उनके कार्यालय में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर राज्य शासन के विनिश्चय हेतु प्रस्तुत कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,
(एच.आर. दुबे)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-02
शहीद स्मारक स्कूल के.के. रोड रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 113/2022-23
वार्ड का नाम- दा.भा.शा.- 26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दा.भा.शा.-26 स्थित मकान/ भूमि डब्ल्यू./108/ई/223 जो कि निगम अभिलेख में श्री मिलाप चंद जैन s/o शुभ करण जैन के नाम से दर्ज है, जिसको श्री भूराज जैन पिता स्व. मिलापचंद जैन ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 133/22-23
वार्ड का नाम- शंकर नगर-30

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि शंकर नगर-42 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 106 प्रथम तल छ.ग. गृह निर्माण मण्डल जो कि निगम अभिलेख में छ.ग. गृह निर्माण मण्डल शंकर नगर के नाम से दर्ज है, जिसको श्री डा. केतन शाह s/o श्री अशोक चंद जैन रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 5/7/2022
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 132/22-23
वार्ड का नाम- लालबहादुर शास्त्री-34

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि लाल बहादुर शास्त्री-34 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ (34/372) मौलीपारा तेलीबांधा जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती अम्मन चंद्राकर w/o रामशरण चन्द्राकर के नाम से दर्ज है, जिसको श्री शरद चन्द्राकर पिता चेतनलाल चन्द्राकर रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 5/7/2022
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-02
शहीद स्मारक स्कूल के.के. रोड रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 111/2022-23
वार्ड का नाम- श.हेमू कालाणी-28

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श. हेमू कालाणी 28 स्थित मकान/ भूमि ई/189/5 देवेन्द्रनगर जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती पूजा जैन w/o प्रदीप जैन के नाम से दर्ज है, जिसको श्री हरिकेश पालीवाल s/o स्व. थानप्रकाश पालीवाल ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-02
शहीद स्मारक स्कूल के.के. रोड रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 112/2022-23
वार्ड का नाम- श. हेमू कालाणी- 28

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श. हेमू कालाणी 28 स्थित मकान/ भूमि ई/188/5 देवेन्द्रनगर जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती पूजा जैन w/o प्रदीप जैन के नाम से दर्ज है, जिसको श्री महेश पालीवाल s/o स्व. थानप्रकाश पालीवाल ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.-172 दि. 27.06.2022
वार्ड का नाम वार्ड- पं. दीनदयाल उपाध्याय-41

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-41 स्थित भूमि RPR560100519 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती उषा देवी मिश्रा s/o श्री सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती सुचित्रा पाण्डेय w/o श्री सुरेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

6 साल से बंद छात्रसंघ चुनाव की मांग

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छात्रों की मांगों को हमेशा उठाते आईएनएसयूआई ने वापस छात्रसंघ चुनाव को लेकर मांग करना शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे की बातों को समर्थन देते हुए प्रदेश सचिव जयंत बघेल ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव विश्व विद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां छात्र अपने नेतृत्व को चुन कर अपनी आवाज बुलंद कर विश्व विद्यालय तक पहुंचाते हैं। कोरोना महामारी में ऑनलाइन मोड में परीक्षा करवाने एनएसयूआई एक महत्व भूमिका निभाई है, जिस तरीके से एनएसयूआई कि मजबूती है उससे उम्मीद है कि सभी विश्व विद्यालयों में हम जीत दर्ज करेंगे। हम आलाकमान एवं शासन से मांग कर रहें है कि चुनाव हो और निश्चित ही छात्रसंघ चुनाव संभव है।

एनएसयूआई ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। एनएसयूआई प्रदेश सचिव जयंत बघेल के नेतृत्व में इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को दो सूत्रीय छात्रों के अतिज्वलंत मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया, जिसका जल्द से जल्द छात्रहित में सकारात्मक कार्यवाही करने की मांग की है तथा छात्रों के उज्वल भविष्य के लिए कार्य करने के लिए कुलपति से निवेदन किया गया है ताकि छात्रहितों की रक्षा हो। इसी संदर्भ में सकारात्मक छात्रहित की कार्यवाही न होने की स्थिति में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन के दौरान बेमेतरा जिलाध्यक्ष मोनल सिन्हा, कृषि छात्र नेता मानदास बंजारे, विकराल साहू, सम्राट साहू, सैयद सऊद, धर्मेंद्र सिन्हा एवं कृषि छात्र इत्यादि मौजूद रहे।

बलराम सिंह को भाजपा परिवार ने दी श्रद्धांजलि

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेरला ब्लॉक के अंतर्गत सिलघट ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ठाकुर की 4 जुलाई जन्मजयंती के अवसर पर सर्वप्रथम भाजपा परिवार ने उनके तैलय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर श्रंद्धाजली दिया व पश्चात ग्राम पंचायत सिलघट के प्राथमिक शाला स्कूल में बच्चे लोगो को कॉपी पेन व चाकलेट वितरण किया, वही शाला परिसर पर वृक्षारोपण व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला में फल वितरण किया गया। पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने बताया हमारे आदरणीय हमेशा पार्टी संगठन को लेकर कार्यकर्ताओ की बात को सर्वोपरि मानकर विकास के पैमाने में कार्य करते थे। बेरला ब्लॉक व हमारे विधानसभा के लिए हमारे कुशल संगठक व मार्गदर्शक थे। उनके सरपंच व भाजपा मंडल अध्यक्ष स्मरणीय कार्यकाल के लिए जाना जाता है व महत्वपूर्ण है जिससे उनको सदा याद किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बलराम पटेल, जिला पंचायत सदस्य पुष्पा साहू, वरिष्ठ नेता प्रीतम चंदेल, संजीव तिवारी, डोमेन्द्र राजपूत, नीरज राजपूत, अरविंद ठाकुर, बीरेंद्र साहू, बीरेंद्र वर्मा, ईश्वर साहू, मंशा निषाद, परदेशी साहू, घनश्याम साहू, मिलाप साहू, नोहर साहू, हेडमास्टर साहू, शिक्षक मयंक सिंह ठाकुर सहित अन्य स्कूल स्टाफ व भाजपा परिवार उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वयं के आवास का सपना साकार करें : डा. चतुर्वेदी

■ **किसी के द्वारा आवास दिलाने प्रलोभन से बचें**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक एएचपी मोर आवास मोर चिन्हारी के तहत् शहर कि चिन्हीत झुग्गी बस्ती के रहवासी परिवारो को स्वच्छ सुंदर वातावरण में आवास उपलब्ध करा कर इनके जीवन स्तर को संवारने का प्रयास राज्य एवं केन्द्र शासन के सहयोग से किया जा रहा है। किन्तु कतिपय लोगों के द्वारा आवास योजना का दुरूपयोग किया जा रहा है। आवास दिलाने के नाम पर पैसा वसूली की जा रही है। इसी प्रकार बने आवासों में बिना आबंटन के कब्जा भी किया जा रहा है।

इस संबंध में निगम आयुक्त डॉ. अशुतोष चतुर्वेदी ने नागरिकों से अपील करते हुये कहा है कि किसी के द्वारा आवास दिलाने के प्रलोभन से बचे क्योकि नियमानुसार प्रक्रिया कर आवास आबंटन निगम द्वारा किया जाता है। इसी प्रकार पात्र आबंटी हितग्राही ही आवास के हकदार है, अवैध रूप से कब्जाकर रहने वाले हकदार नहीं है, उन्हें निगम द्वारा हटा दिया जायेगा, अपालन पर दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन के संबंध में निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कच्चे मकान में निवासरत पट्टाधारी एवं निजी और शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर बसे परिवार को योजनांतर्गत पक्का आवास उपलब्ध कराना योजना का मूल उद्देश्य है। इसकी पात्रता के लिये ऐसे परिवार जिनकी समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 3 लाख रूपये से कम होना चाहिए। आवेदन करने वाले व्यक्ति का या उसके परिवार का संपूर्ण भारत वर्ष में कोई भी पक्का आवास नहीं होना चाहिए। 31 अगस्त 2015 के पूर्व से उस झुग्गी बस्ती का रहवासी होना अनिवार्य है, जिसे विस्थापित किया जाना है। अन्यथा कि स्थिति में इस नियम कि पूर्ति ना होने पर उन्हे आवास प्रदान नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एएचपी के आवास गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निवास करने के लिए है। आवास का किसी भी स्थिति में किराये पर या निवास के अतिरिक्त अन्य कार्य के लिए उपयोग नहीं किया जाना है। आवास का आबंटन व्यवस्थापन अंतर्गत लाटरी के माध्यम से किया जाना है।

आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम राजनांदगांव क्षेत्र में मोर जमीन मोर मकान के तहत रेवाडीह, पेंड्री, लखोली, मोहारा आदि क्षेत्रों में आवास का निर्माण किया गया है। जहां नियमों के तहत प्रक्रिया कर पात्र हितग्राहियों को आवास का आबंटन किया जाता है। उन्होंने पात्र हितग्राहियों से कहा कि आवास की स्वीकृति उपरांत निगम द्वारा नियुक्त वास्तुविदों के कहे जाने पर ही आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ करें, निगम द्वारा आवास निर्माण के लिये किसी भी ठेकेदारों को अधिकृत नहीं किया गया है, हितग्राही अपना आवास निर्माण का कार्य स्वयं से अथवा किसी भी राज मिस्त्री से करा सकता है। निगम द्वारा नियुक्त वास्तुविद आवास निर्माण के विभिन्न चरणों पर जियोटेग करने के लिये निगम के माध्यम से पारिश्रमिक दिया जाता है।

निगम आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने पात्र हितग्राहियों से कहा है कि इस योजना के संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आवे और न किसी के द्वारा आवास दिलवाने के प्रलोभन में आकर इस हेतु पैसा न देवें। अगर कोई भी आपसे उपरोक्त संबध में पैसे कि मांग करता है तो इसके संबंध में नगर पालिक निगम कार्यालय या प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय में तत्काल शिकायत करे। बिना आबंटन के किसी को भी रेवाडीह, पेंड्री, लखोली, मोहारा आदि निकाय क्षेत्रों में बने आवासों में आवास प्राप्त नहीं हो सकता। उन्होंने नागरिकों से आवास दिलवाने के प्रलोभन से बचते हुए पात्रता अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने की अपील की है। साथ ही जिन लोगों के द्वारा लखोली में बने आवास में अवैध रूप से बलात कब्जाकर आवास में निवास किया जा रहा है, वे स्वमेव आवास रिक्त कर दे। अन्यथा उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए आवास रिक्त कराया जायेगा।

सीएम भूपेश का भेंट मुलाकात कार्यक्रम गरियाबंद जिले में अगले सप्ताह संभावित

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के अन्तर्गत गरियाबंद जिला के अगला सप्ताह प्रस्तावित है। पूरे प्रदेश में जिस तरह मुख्यमंत्री का ताबड़तोड़ दौरा और जनता से सीधे संपर्क, त्वरित निराकरण, समस्याओं का निराकरण, समस्याओं का निदान, स्थल पर ही निर्णय से शासकीय अमला सकते पर है। शिकायतों की स्थिति को देखते हुए पुरे प्रदेश की तरह गरियाबंद जिले में भी छोटे-छोटे गांव, टोलों में केम्प लगाकर ग्रामीणों से आवेदन लेकर निराकरण हो रहा है। शासकीय अमलों की नींद उड़ी हुई है। जिस तरह आक्रामक रूप पूरे प्रदेश में जनहित में दिखाई दे रहा है जिसमें जनता तो खुश है लेकिन अधिकारियों की नींद उड़ी हुई है। मुख्यमंत्री की आने की संभावना मैनपुर ब्लाक के अन्तर्गत राजीव गांधी गोद कुल्हाडीघाट एवं देवभोग ब्लाक के किड़नी पीड़ित ग्राम सुपेबेड़ा के इर्दगिर्द का है, सार्वाधिक पिछड़ापन, विकास में नगन्य यहीं क्षेत्र है, स्वास्थ्य को लेकर बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र सुविधाओं से वंचित है, मुख्यमंत्री के जनता के बीच आने को जनता उत्साह पूर्वक इन्तजार कर रही है, इससे चिकित्सा के क्षेत्र में उपलब्धि मिलेगी।

सार्वाधिक पिछड़ा आदिवासी क्षेत्र होने से आज भी अनेक ग्राम मुलभूत सुविधाओं से वंचित है, 14 जुलाई 1985 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी इस क्षेत्र के दौरा किये थे आज यदि राजीव गांधी जीवित होते तो इस क्षेत्र के तस्वीर ही अलग होती, जहां हीरे और अलेक्जेण्डर का भंडार है, जिसका दोहन नही हो पा रहा है, छत्तीसगढ़ की रत्नगर्भा

भूमि जिसे देवभूमि देवभोग भी कहा जाता है, जो अपने आप में अपार धन संपदा समाहित कर रखी है, उसी क्षेत्र में मुलभूत सुविधाओं जनता को प्राप्त नही हो रही है, भाजपा के 15 साल के कार्यकाल में इस क्षेत्र का भाग्योदय नहीं हुआ कांग्रेस सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस क्षेत्र के विकास के लिए ध्यान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री स्व.अजीत जोगी ने काफी विकास कार्य कराये थे, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दौरे को पुनःविकास की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा रहा है, कुछ समय पूर्व तक कागजों में ही विकास दिखता था धरातल में शुन्यता थी जिसका जीता जागता उदाहरण सिकासेर जलाशय है जहां अरबों रूपये के कार्य फायलों मे ही हो चुकी है लेकिन स्थल पर कुछ भी नही है, जो भी अधिकारी आये अपनी जेब भर कर चले गये, सिकासेर जलाशय अति महत्वकांक्षी योजना है जो सिचाई अधिकारियों एवं जिलाधिकारियों के लिए चारागाह बन चुका है, इसी तरह वनों से आच्छादित इस क्षेत्र में विकास के नाम पर सिर्फ राशि खर्च हुई है, कार्य नही हुये है, न कभी कार्य के संबंध में स्थल पर विवरण दर्शाया गया है जो वन उच्चाधिकारी इस समय यहां पदस्थ है वे क्षेत्र के विकास को छोड़कर चापलुसी में लगे रहते है, और फायलों में विकास होता चला जा रहा है, बिगड़े वनों के सुधार के नाम पर कैम्पा मद अरबों रूपये के कार्य रिकार्ड में दर्शाये गये है, और बाद में उसे असफल योजना दर्शा कर पिण्ड छुड़ा लिया जाता है और जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते है, जबकि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी को दंडित करने का प्रावधान है, सीतानंदी उंदती टायगर प्रोजेक्ट में एक भी टायगर शेष नही बचा है, लम्बे समय से यहां शेरों की उपस्थिति नही पाई गई है, इसी तरह वन भैंसे के लिए संरक्षित उदन्ती क्षेत्र से वन भैंसे कहां चले गये विभाग अनभिग्य सरकार को इन सब चीजों को गंभीरता से लेना चाहिए एवं सरकार को दिग्भ्रमित करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही और दुरूपयोग की गई राशि की वसुली होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आगमन से क्षेत्र की जनता को उम्मीद जागी है, विकास के रास्ते खुलेगें आरोप यह भी है कि गरियाबंद जिले के अधिकारी निरंकुश हो चुके है, और मुख्मंत्री के दौरे से उनकी नींद हराम हो गई है अच्छा मौका है जब मुख्यमंत्री आम जनता से रूबरू होगें यह सब बाते खुलकर सामने आनी चाहिए ताकि मुख्मंत्री का यह अभियान सफल हो सके और कागजों पर विकास दिखाने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही हो सके, जिस तरह नरवा, घुरूवा, बाड़ी की योजना को लेकर पहले लोग हंसते थे लेकिन जब उक्त योजना ने मुर्त रूप लिया तो आज इस योजना की पहचान पूरे प्रदेश में गर्व से बताया जाता है किसी भी योजना को सफल या असफल बनाने में अधिकारियों की महती भूमिका होती है।

दो तस्कर गिरफ्तार, 14 किलो गांजा जब्त

कवर्धा/नवप्रदेश। अवैध शराब परिवहन, मादक पदार्थ गांजा तस्करों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत 4 जुलाई की के दरमियानी थाना बोडला टीम द्वारा सघन वाहन की चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान पोडी की ओर से एक हिरो HF- Delux मोटर सायकल क्र14 EF 8538 को चेक करने पर काले रंग के बैग एवं मोटर साकयल के डिक्की मे रखे मादक पदार्थ गांजा कुल जुमला वजन 14.250 किलोग्राम कीमती 1,42500/- रू ,एक विवो कम्पनी का टच मोबाईल कीमती 10000/- रूपये एवं परिवहन करते ले जाते मो.सा. HF-Delux काला रंग का क्रमांक UP 14 EF 8538 किमती करीब 40000/- रूपये कुल जुमला किमती 1,92500/- रूपये को आरोपी चालक हरकेश उर्फ हरिकेश चौधरी उम्र 18 साल 09 माह 2. राजकुमार चौधरी पिता राजसिंह चौधरी उम्र 19 साल दोनो साकिनान ग्राम जट्टारी थाना टप्पल तह. खैर जिला अलीगढ़ उत्तरप्रदेश के कब्जे से जप्त किया गया है। जिस पर थाना बोडला मे अपराध क्रमाक 197/22 धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही कर दोनो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया है।

एएसपी ने ली आगामी विस के मानसून सत्र को लेकर थाना व चौकी प्रभारियों की बैठक

बेमेतरा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के द्वारा आगामी छ.ग. पंचम विधानसभा सत्र को लेकर समस्त थाना/चौकी प्रभारियों की बैठक ली गई। जिसमें समस्त थाना/चौकी प्रभारियो को वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्रों का अवलोकन करने एवं विधान सभा सत्र के दौरान पूछे गये प्रश्नो के संबंध में तत्काल जानकारी बनाकर सही समय सीमा में भेजने आवश्यक निर्देश दिए। उक्त बैठक में निरीक्षक हरप्रसाद पांडेय, सीआर ठाकुर, अंबर सिंह, पुष्पेन्द्र भट्ट, अंजोर दास चतुर्वेदी, उप निरीक्षक नासिर खान, टीआर कोसिमा, डीएन सिंह, राकेश साहू, अंजोर साहू, रंजित प्रताप सिंह, एसपी रीडर विनोद शर्मा, प्रधान आरक्षक सुरज भान सिंह तथा जिले के अन्य थाना/चौकी प्रभारी सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रथम पेज का शेष

अब नौसेना में दिखेगी ...

महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी। नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि पहली बार महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी जो कि समुद्र में अपनी ड्यूटी देंगी। बता दें कि आर्मी ने भी 1 जुलाई को ही अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देशभर में भर्ती रैली की तारीफपर फैसला हो गया है।

14 जून को अग्निपथ योजना लॉन्च की गई थी। इसके बाद देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने भी इस योजना को राष्ट्रहित और युवाओं को विरुद्ध बताया और प्रदर्शन किए। इसके तहत अग्निवीर चार साल तक सेना में सेवा देंगे और इसके बाद 75 फीसदी सैनिक रिटायर हो जाएंगे। वहीं 25 फीसदी को स्थायी नौकरी दी जाएगी। बहुत दबाव के बावजूद सरकार ने साफ कह दिया है कि यह योजना वापस नहीं ली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका इस योजना के विरोध में दी गई है जिसपर सुनवाई के लिए कोर्ट तैयार हो गया है।

वास्तु शास्त्री चंद्रशेखर...

बाद में उन्हें मुंबई में एक नौकरी मिल गई, जहां वे बस गए थे. बाद में उन्होंने वहां अपना वास्तु व्यवसाय शुरू किया था.

हत्या के आरोपी महंतेश और मंजुनाथ

पुलिस ने ये भी बताया कि 3 दिन पहले उनके परिवार में एक बच्चे की हुबली में मौत हो गई थी, इस वजह से वह हुबली गए थे. घटना की जानकारी मिलते ही हुबली पुलिस आयुक्त लाभू राम मौके पर पहुंचे. उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस बता रही है कि चंद्रशेखर गुरुजी एक होटल में गए थे, वहां एक रिसेप्शन पर दो लोगों ने उन्हें चाकू मार दिया. इससे वहां अफरातफरी मच गई. लोग यहां-वहां भागने लगे. वहीं वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए.

ट्रांसफर की धमकी पर ...

'आपके ACB ADGP ताकतवर व्यक्ति लगते हैं। मुझे साधी जज ने बताया है कि टिप्पणियों के चलते मेरा तबादला हो सकता है। मैं आदेश में ट्रांसफर की धमकी की बात भी शामिल करूंगा।'

दिल्ली से दुबई जा रहे...

सामने आई है कि बीते 17 दिनों में यह छठा मौका है, जब स्पाइसजेट के एयरक्राफ्ट में तकनीकी खामी सामने आई है। आज की घटना के साथ ही उड्डयन महानिदेशालय ने पहले हुई 5 घटनाओं की भी जांच शुरू कर दी है। डीजीसीए ने कहा कि स्पाइसजेट का जब बोइंग 737 मैक्स एयरक्राफ्ट दिल्ली से दुबई के सफर में था तो उसके फ्यूल टैंक में गड़बड़ी सामने आई। बाएं फ्यूल टैंक में अचानक ही ईंधन कम बताने लगा और विमान के हवा में होने के चलते पायलटों की चिंता बढ़ गई। ऐसी स्थिति में विमान की कराची एयरपोर्ट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

अयोध्या के राम...

महासचिव चंपत राय ने बताया, ÷प्रसार भारती इस फिल्म पर काम कर रहा है। हमारी कोशिश है कि इसमें हर एक कड़ी को जोड़ा जाए। अगर डॉक्युमेंट्री 1528 से लेकर अब तक के हर दृश्य को दिखाती है तो ही इसे पूरा माना जाएगा। प्रसार भारती की ओर से फिल्म बनाए जाने के बाद हम भी यह देखेंगे कि कोई तथ्य गलत तो नहीं है।

सारे मोदी चोर कहने ...

उनके सम्मान को ठेस लगा है। राहुल गांधी के खिलाफ अदालत से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था।

क्या है पूरा मामला

राहुल गांधी ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान रांची के अलावा कुछ अन्य रैलियों में विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था, ''नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी... इन सभी का एक ही उपनाम मोदी कैसे है ? सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है?'' राहुल गांधी ने कथित तौर पर जब यह टिप्पणी की थी तब वह कांग्रेस अध्यक्ष थे। राहुल गांधी के खिलाफदूसरे राज्यों में भी केस दर्ज कराए गए थे। पिछले साल इसी बयान को लेकर वह सूरत की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए थे और माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा था कि वह व्यंग्य कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा था कि अब बहुत कुछ याद नहीं है।

जीपीएम में प्रारंभ होगा...

कि यह क्षेत्र दुर्लभ औषधीय प्रजाति से समृद्ध है। साथ ही यहां के निवासी पेड़-पौधे और दुर्लभ जीव जंतुओं एवं औषधियों के जानकार है। उनका विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने पर न ही सिर्फइस क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि पूरी मानव जाति का कल्याण होगा। केन्द्र के समेकित प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा जनजातीय समुदायों को व किसानों को विभिन्न टेड्र्स में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय उत्पाद कोदो, कुटकी, शहद आदि से विभिन्न उत्पाद तैयार कर उनकी ब्रांडिंग भी की जाएगी तथा किसानों को उचित मूल्य प्रदान किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसान की आय में वृद्धि होगी और छत्तीसगढ़ के उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इस क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास में पारंगत होने से स्व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के भी अवसर मिलेंगे। साथ ही उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बड़े शहर जाने से मुक्ति मिलेगी। इस एमओयू से इस केन्द्र में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को शोध करने का अवसर मिलेगा। क्षेत्रीय जनजातीय समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने, शैक्षणिक व आर्थिक रूप से समृद्ध व आत्मनिर्भर करने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-10, अमलीडीह सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास,
Email: rmczone10@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 180/2022-23
वार्ड का नाम- बाबू जगजीवन राम-53

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बाबू जगजीवन राम-53 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 53/ईडब्ल्यूएस 306 हिमालयन हाईट्स जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती कोमल सचदेव w/o सोनू सचदेव के नाम से दर्ज है, जिसको श्री आदित्य मोरयानी s/o महेश मोरयानी ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर जोन क्र.-10 नगर निगम, रायपुर (छ.ग.)**

कार्यालय, नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-10, अमलीडीह सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास,
Email: rmczone10@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 179/2022-23
वार्ड का नाम- बाबू जगजीवन राम-53

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बाबू जगजीवन राम-53 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 53/औषधि वाटिका दुकान नं. 40 जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती मनीषा नंदवानी w/o अनिल नंदवानी के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती राखी नामदेव w/o श्रीकांत नामदेव ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर जोन क्र.-10 नगर निगम, रायपुर (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-20(3) वर्ष 2021-22

आवेदक शान्तनुदास गुप्ता आ. स्व. जे.दास गुप्ता निवासी लक्ष्मीनगर फेस 2 रिसाली भिलाई जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित खसरा नं. 1/2, 2/2 का टु. प्लाट नं. एमआईजी 2/329 क्षेत्रफल 160 वर्गमीटर भूमि धारक जे.दास गुप्ता आ. स्व. बी.पी. दास गुप्ता के नाम पर पट्टा जारी हुआ है, जिसकी अवधि 2038 तक है। धारक जे. दास गुप्ता की मृत्यु दिनांक 19.12.2014 को हो चुकी है। मृतक धारक के वारिसान उनकी पत्नि श्रीमती बानीदास गुप्ता पुत्र-पुत्री शुभा दास, शान्तनुदास, अतानु दास, अनुश्री अर्नब है। इसके अलावा अन्य वारिसान नहीं है। आवेदक द्वारा प्रश्नाधीन भूखण्ड से मृतक धारक का नाम विलोपित कर उनके वारिसानों का नाम पर फौती नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा या आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 15.07.2022 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भूखंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/ आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.06.2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

सील **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.-172 दि. 27.06.2022
वार्ड का नाम वार्ड- पं. दीनदयाल उपाध्याय-41

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-41 स्थित भूमि 569100348 जो कि निगम अभिलेख में श्री मोहन लाल पाण्डेय s/o राम दुलारे पाण्डेय के नाम से दर्ज है जिसको श्री संजय पाण्डेय s/o स्व. श्री मोहनलाल पाण्डेय पाण्डेय ने शपथ पत्र/ सहमति पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र/ रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-5 नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.-174 दि. 27.06.2022
वार्ड का नाम वार्ड- वामन राव लाखे-66

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-66 स्थित भूमि RPR565G00363 जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती शान्ता शर्मा w/o स्व. आई.पी. शर्मा के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती सुनिता सोनकर w/o स्व. संजय कुमार सोनकर, कनिष्क सोनकर s/o स्व. संजय सोनकर, लवली सोनकर s/o स्व. संजय सोनकर ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर जोन क्रमांक-5 नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लाख (रुपए लाख में)
1	103195 चतुर्थ आमंत्रण 27.06.2022	जिला दुर्ग के भानपुरी से कोकड़ी मेला स्थान पहुंच मार्ग लंबाई 2.27 कि.मी. का निर्माण कार्य।	631.61
2	103341 पंचम आमंत्रण 27.06.2022	उपसंभाग प्रेमनगर एवं सूरजपुर अंगर्तत जूर-पीढ़ा मार्ग कि.मी. 3.20 कंचनपुर फुनकोना मार्ग कि.मी. 1 से 2=2.00, केदारपुर पहुंच मार्ग कि.मी. 1 से 2= 2.00, कोट आमगांव मार्ग कि.मी. 1 से 3/6=2.60 कि.मी., पवनपुर बिठियापारा परमेश्वरपुर मार्ग कि.मी. 1 से 6/4=5.30 कि.मी., कृष्णपुर से नवापारा मार्ग 2.60 कि.मी. मकरबंधा अर्जुनपुर मार्ग कि.मी. 1 से 4= 4.00 कि.मी. में बी.टी. रिनीवल का कार्य।	272.92
3	103686 द्वितीय आमंत्रण 27.06.2022	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला कोण्डागांव के मिचिपारा मांझीपारा से डोंगरीपारा मार्ग (लंबाई कि.मी. 1/2 से 6/4= 5.30) का निर्माण कार्य।	646.05
4	103669 द्वितीय आमंत्रण 27.06.2022	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला कोण्डागांव के कोपरा से टाटीपारा (ढोन्डरा) क्रांसिंग सहित मार्ग लंबाई 9.10 कि.मी. निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित।	967.21
5	103351 द्वितीय आमंत्रण	जिला सरगुजा के शासकीय आई.टी.आई. लुण्ड्रा में संस्था भवन का निर्माण कार्य। (वर्क कोड- w18112)	330.35
6	103825 तृतीय आमंत्रण 28.06.2022	जिला दुर्ग के उतई-उमरपोटी मुख्य मार्ग श्मशान घाट होते हुए नेहरू नगर चौक जय स्तंभ उमरपोटी मार्ग लंबाई 1.95 कि.मी. निर्माण कार्य।	566.84
7	103834 द्वितीय आमंत्रण 28.06.2022	जिला बेमेतरा के ग्राम कवर्धा 200 बंदी खुली जेल निर्माण, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	2075.72

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि स.क्र. 01, स.क्र. 02, स.क्र. 06 दिनांक 11.07.2022 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 14.07.2022 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

जी-92678/6

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सरोरा रोड उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे, फोन : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक CG/RYP/DN/ 40/2019-2021

न्यूज गैलरी

अमेरिका की सड़कों पर चलती हैं गोलियां फ्रीडम डे परेड में गोलीबारी में छह की मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के शिकागो में हुई गोलीबारी ने एक बार फिर से सभी को दहला कर रख दिया है। यहां हाईलैंड पार्क में स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान हुई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई तो 57 घायल हो गए। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि हमलावर की उम्र महज 18 से 20 साल के बीच है। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ऐसे सामूहिक हत्याकांड का गवाह बना है। बंदूकों का शौक और हथियार रखने की लचीली पॉलिसी अब अमेरिकी प्रशासन के लिए गले की फांस बन गई है। अमेरिका में सामूहिक गोलीबारी और हत्याकांड के आंकड़े तैयार करने वाली संस्था 'द गन वॉयलेंस आर्काइव' के मुताबिक, 2022 में अब तक 309 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, चौंकाने वाली बात यह है कि इन सामूहिक हत्याकांडों में 0 से 11 साल के 179 बच्चों और 12 से 17 साल के 670 किशोरों की मौत हो चुकी है। 'गन वायलेंस आर्काइव' की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 2021 में 693 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुई। 2019 में 417 जगहों पर ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया गया।

नेपाल में सड़क दुर्घटना से नौ की मौत, 30 घायल

काठमांडु। नेपाल के रामेछाप जिले में आज सुबह भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हैं। स्थानीय पुलिस ने इसकी जानकारी दी है।

तालिबान सदस्यों को ले जा रहे काफिले पर हमला, कई घायल

काबुल। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान सदस्यों को ले जा रहे एक काफिले पर हमला किया गया। सोमवार तड़के हुए इस धमाके में 20 से ज्यादा तालिबान सदस्य घायल हो गए हैं। फिलहाल तालिबान ने किसी मौत की पुष्टि नहीं की है। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है कि

दो तालिबानी इस धमाके में मारे गए हैं। टोलो न्यूज के मुताबिक कुछ अज्ञात लोगों ने तालिबान 207 अल-फारूक कोर के सदस्यों को ले जा रही मिनी बस पर हमला किया। हेरात पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद शाह रसूल ने एक हमलावर के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने अपने ट्वीट में नागरिकों समेत कई अन्य के घायल होने का जिक्र किया है। इससे पहले 2 जुलाई को पूर्वी नंगरहार प्रांत के एक धार्मिक स्कूल में अज्ञात लोगों ने हथगोला फेंका था, जिसमें 8 लोग घायल हो गए थे। तालिबान एक बार फिर सुर्खियों में है। नए तालिबानी कमांडर ने अपनी नव विवाहिता दुल्हन को घर ले जाने के लिए एक सैन्य हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया। उसने इस सैन्य हेलीकॉप्टर द्वारा पूर्वी अफगानिस्तान के लोगार से खोस्त प्रांत तक उड़ान भरवाई। स्थानीय मीडिया खामा प्रेस ने बताया, इस कमांडर की पत्नी लोगार के बरकी बराक जिले की है। कमांडर ने अपने ससुर को 12 लाख अफगानी मुद्रा बेटी की शादी के बदले दहेज के रूप में दिए। तालिबान उप प्रवक्ता कारी यूसुफ ने ये आरोप दुश्मनों का दुष्प्रचार कहकर खारिज कर दिए।

ऑस्ट्रेलिया में तेज बारिश से 32000 लोग संकट में, घर छोड़ने को कहा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी और उसके आसपास रहने वाले 32,000 से अधिक लोगों पर घर छोड़ने का संकट है। उन्हें मूसलाधार

बारिश के चलते भीषण बाढ़ के डर से घर छोड़ने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। यहां गत शुक्रवार से जारी मूसलाधार बारिश के कारण बांध भर चुके हैं और नदियों के तटबंध टूट जाने के कारण शहर के 50 लाख लोगों को डेढ़ साल में चौथी बार बाढ़ की आपात स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। आपातकालीन प्रबंधन मंत्री मुरे वॉट ने कहा, हमारे पास नई जानकारी यह है कि इस बार बाढ़ की विभीषिका इन क्षेत्रों में 18 महीने पहले आई बाढ़ की तुलना में भयंकर होने की आशंका है। न्यू साउथ वेल्स राज्य के प्रधानमंत्री डोमिनिक पेरोटेट ने कहा कि निकासी के आदेश से 32,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो के प्रबंधक जेन गोल्डिंग ने बताया कि सिडनी के उत्तर में न्यूकैसल और सिडनी के दक्षिण में वोलोंगोंग के बीच के कुछ क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों में एक मीटर (39 इंच) से अधिक बारिश हुई है। कुछ इलाकों में 1.5 मीटर (59 इंच) से अधिक वर्षा हुई है।

दक्षिणी हांगकांग में इस सप्ताह की शुरुआत में आए तूफान के कारण एक इंजीनियरिंग जहाज के डूब जाने के बाद चालक दल का चौथा सदस्य सोमवार को समुद्र से सुरक्षित निकाल लिया गया। गुआंगदोंग समुद्री अफसरों के अनुसार, चालक दल के सदस्य की हालत स्थिर है। शनिवार को ऊष्णकटिबंधीय तूफान 'चाबा' के दौरान जहाज दो हिस्सों में टूटकर डूब गया था। चालक दल के अन्य सदस्यों के बचने की संभावना कम है।

चाबा तूफान की चपेट में आने से डूब गई थी क्रेन, 12 लोगों के शव हुए बरामद

बीजिंग। चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के तट पर चाबा तूफान की चपेट में आने के बाद एक क्रेन डूब गई थी। इस हादसे में क्रेन में सवार 27 लोग लापता हो गए थे। रविवार को हुई इस घटना में लापता हुए 12 लोगों के शव सोमवार को बरामद किए गए हैं। प्रांतीय समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र ने यह जानकारी दी। इससे पहले रविवार को हादसे के बाद बचाव के लिए भेजे गए 38 विमानों ने लापता लोगों की तलाश शुरू कर दी थी। प्रांतीय समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र ने बताया कि यांगजियांग शहर के पास चाबा तूफान से बचाव करते समय इसकी लंगर की चेन टूट गई थी और निगरानी प्रणाली के माध्यम से क्रेन को खतरे में पाया गया था। केंद्र ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि जहां क्रेन डूबी थी, वहां से लगभग 50 समुद्री मील दक्षिण पश्चिम में 12 शव बरामद किए गए हैं। अब संबंधित विभाग शवों की शिनाख्त के लिए कोशिश कर रहे हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शेष लापता लोगों की तलाश के लिए कुल सात विमानों, 246 जहाजों और 498 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को लगाया गया है। गौरतलब है कि इस साल के तीसरे तूफान चाबा ने शनिवार को ग्वांगडोंग के माओमिंग शहर के तटीय इलाके में दस्तक दी थी। हालांकि, लापता लोगों के लिए खोज और बचाव के प्रयास अब भी जारी हैं।

आगा खान संग्रहालय में हिंदू देवी-देवताओं का गलत चित्रण, भारत ने हटाने को कहा

टोरंटो। टोरंटो के आगा खान संग्रहालय में फिल्म पोस्टर में हिंदू देवी-देवताओं के गलत चित्रण पर भारत ने आपत्ति जताई है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कनाडा के अधिकारियों और कार्यक्रम के आयोजकों से आगा खान संग्रहालय, टोरंटो में एक फिल्म पोस्टर में हिंदू देवताओं के अपमानजनक चित्रण सामग्री को वापस लेने का आग्रह किया है। इसके बारे में कनाडा के हिंदू समुदाय के नेताओं ने शिकायत की थी।

मथुरा सिविल कोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले पर सुनवाई, शाही ईदगाह को हटाने की मांग

नई दिल्ली। मथुरा में आज श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले पर सुनवाई चल रही है। सिविल कोर्ट में इससे संबंधित दो याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इनमें से एक याचिका में विवादित जगह से शाही ईदगाह को हटाकर पूरी जगह हिंदुओं को सौंपने की मांग की गई है, जबकि दूसरी याचिका में कोर्ट से शाही ईदगाह मस्जिद में मौजूद मंदिर के सबूतों की सुरक्षा के लिए जरूरी आदेश देने की मांग की गई है। इस मामले में अब तक एक दर्जन से अधिक याचिकाएं मथुरा सिविल कोर्ट में दाखिल हो चुकी हैं। कोर्ट आज महेंद्र प्रताप सिंह और मनीष यादव की याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। बीते शुक्रवार को कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन

अधिवक्ता का निधन होने के चलते कोर्ट की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

किसने डाली याचिका?

एक याचिका श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की तरफसे दायर की गई है। जिसमें मांग की गई है कि कोर्ट पूरी 13.37 एकड़ जमीन हिंदुओं को सौंप दे। साथ ही विवादित जगह से मस्जिद हटाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से विवादित जगह के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति की मांग की जा सकती है। दूसरी याचिका नारायणी सेना संस्था के अध्यक्ष मनीष यादव की है। इनका कहना है कि मस्ज़िद की 2.65 एकड़ जमीन भगवान श्रीकृष्ण की है और उसे खाली करवाया जाए। साथ ही मस्जिद में मौजूद मंदिर के सबूतों को मिटाने से बचाने इसकी निगरानी की व्यवस्था की जाए।

याचिकाकर्ताओं ने अपना पक्ष मजबूत करने के लिए ऐतिहिसिक दस्तावेजों को याचिका का प्रमुख आधार बनाया है। जिसमें उनका दावा है कि औरंगजेब के शासनकाल में मुगल फौज ने मथुरा पर हमला कर केशव राय मंदिर को गिरा दिया और वहां एक मस्जिद बना दी। आपको बता दें कि इसी तरह के मामले में बनारस के ज्ञानवापी मामले को लेकर भी सुनवाई चल हो रही है।

खराब मौसम के चलते रोकी गई अमरनाथ यात्रा, 3000 श्रद्धालुओं को कैंप में ठहराया

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा को खराब मौसम के चलते मंगलवार को रोक दिया गया है। यात्रा फिलहाल अस्थायी तौर पर रोकी गई है, मौसम ठीक होते ही इसे दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम और बालटाल दोनों तरफ से पवित्र गुफा की ओर यात्रियों का आवागमन फिलहाल रोक दिया गया है। बताया जाता है कि बारिश और मौसम प्रतिकूल रहने के चलते यह फैसला लिया गया है। जैसे ही मौसम में सुधार होगा यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी। इसके चलते करीब 3000 श्रद्धालुओं को पहलगाम के नुनवान बेस कैंप में ठहराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 239 वाहनों में कुल 6,351 तीर्थयात्री यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुए. इनमें 4,864 पुरुष, 1,284 महिलाएं, 56 बच्चे, 127 साधु, 19 साध्वी और एक ट्रांसजेंडर है। उन्होंने बताया कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 2,028 तीर्थयात्री 88 वाहनों में तड़के करीब तीन बजकर 35 मिनट पर सबसे पहले रवाना हुए, इसके बाद कश्मीर में पहलगाम शिविर के लिए 4,323 तीर्थयात्रियों को लेकर 151 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ।

बता दें कि बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर के नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर के बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 72000 से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

केरल के मंत्री ने दिया संविधान विरोधी बयान, कांग्रेस समेत कई दलों ने जताया विरोध

पथनमथिट्टा। केरल के मंत्री साजी चेरियन ने संविधान के खिलाफबयान देकर मुश्किल में फंस गए हैं। इस बयान के बाद से वह राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित विभिन्न वर्गों के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, चेरियन ने संविधान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह शोषण को माफकरता है और इसे इस तरह से

लिखा गया है कि इसका इस्तेमाल देश के लोगों को लूटने के लिए किया जा सके। चेरियन ने दक्षिणी जिले के मल्लापल्ली में हाल ही में आयोजित हुए एक राजनीतिक कार्यक्रम में यह बयान दिया था। मंगलवार को क्षेत्रीय टेलीविजन चैनलों के इस भाषण को प्रसारित करने के बाद यह मुद्दा सामने आया। उन्होंने कहा कि हम सभी कहते हैं कि हमारे पास एक बेहतरीन तरीके से लिखा संविधान है, लेकिन मैं कहूंगा कि संविधान इस तरह से लिखा गया है कि इसका इस्तेमाल देश के लोगों को लूटने के लिए किया जा सके। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन सहित कई लोगों ने चेरियन के इस बयान की आलोचना की है।

श्रीलंका में नहीं सुधरे हालात, पीएम विक्रमसिंघे ने बताई आगे की योजना

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने मंगलवार को संसद को बताया कि आईएमएफ के साथ एक बेलआउट पैकेज पर समझौता होने के बाद उनका देश भारत, चीन और जापान जैसे मित्र देशों के एक दानदाता सम्मेलन का आयोजन करेगा। आर्थिक संकट से निपटने के लिए सरकार के रोडमैप पर संसद को संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने यह भी कहा कि भारत को हाल के वैश्विक संकटों के कारण श्रीलंका को ऋण सहायता सीमित करनी पड़ी, जिसमें मौजूदा यूक्रेन-रूस युद्ध भी शामिल है। कर्मचारी-स्तरीय समझौता होने के बाद हम भारत, चीन और जापान जैसे मित्र देशों को एक साथ लाकर एक दानदाता सहायता सम्मेलन आयोजित करेंगे। हम एक ऐसी प्रणाली बनाने की उम्मीद कर रहे हैं जहां एक आम समझौते के माध्यम से हमें ऋण सहायता मिल सके।

प्राथमिक मुद्दा ईंधन संकट

उन्होंने कहा कि आज देश जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उनमें प्राथमिक मुद्दा ईंधन संकट है। साथ ही हम भोजन की उपलब्धता की समस्या का भी सामना कर रहे हैं। ईंधन और भोजन के मामले में हमारे देश को किसी भी समय इस संकट का सामना करना ही था। ईंधन दुर्लभ था। खाद्य कीमतें बढ़ी हैं। हाल के वैश्विक संकटों के कारण यह स्थिति और अधिक विकट हो गई है। संकट और गहरा गया है। यह स्थिति सिर्फहमारे लिए ही नहीं है। यह अन्य देशों को भी प्रभावित कर रहा है।

तीन डॉलर महंगा हुआ क्रूड ऑयल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है. पिछले 24 घंटे में क्रूड ऑयल(कच्चे तेल) के दामों में तेजी आई है. ब्रेंट क्रूड के दामों में तीन डॉलर की बढ़ोतरी आयी है. कच्चे तेल की कीमतें 111 से बढ़कर 114 हो गई है. इस बीच सरकारी तेल की कंपनियों ने मंगलवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. यानी आज भी पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं. दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. नोएडा में पेट्रोल 96.57 रुपये प्रति लीटर है तो डीजल की कीमतें 89.96 रुपये हैं. वहीं, मुंबई में पेट्रोल 109.27 रुपये और डीजल 95.84 में बिक रहा है. वहीं. कोलकाता में 106 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल के दाम हैं तो डीजल की कीमतें 92.76 रुपये प्रति लीटर हैं।

बीजेपी का आतंकवादियों से है नाता : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 1 सप्ताह में घटी दो घटनाओं ने भाजपा के चाल चरित्र और चेहरा को बेनकाब कर दिया है। पवन खेड़ा ने कहा कि पहले उदयपुर हत्याकांड में शामिल आरोपी बीजेपी का कार्यकर्ता निकलता है तो उसके बाद जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों में से तालिब हुसैन शाह बीजेपी का पदाधिकारी निकला जिसकी देश के गृह मंत्री के साथ एक तस्वीर है। पवन खेड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब जब इस तरह की किसी साजिश में पकड़ी जाती है सब कहते हैं कि उनका उनसे कोई संबंध नहीं है। पवन खेड़ा ने कहा कि तालिब हुसैन शाह जब पकड़ा गया तब पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर हमले की योजना बना रहा था। पवन खेड़ा ने कहा कि राष्ट्रवाद की बात

करने वालों के लिए क्या यह शर्म की बात नहीं है। पहला या दूसरा मौका नहीं है जब भाजपा के नेता या कार्यकर्ता किसी आतंकी गतिविधियों में लिप्त पाए गए है ऐसी कई घटनाएं है। खेड़ा ने कहा कि करीब 2 साल पहले जम्मू कश्मीर में एक ऐसा ही मामला सामने आया जब आतंकवादियों को हथियार मुहैया कराने के आरोप में बीजेपी के पूर्व नेता एवं सरपंच तारिक़ अहमद मीर को गिरफ्तार किया गया था। अहमद पर हिजबुल कमांडर नवेद बाबू को हथियार देने का आरोप था जो आतंकियों की मदद करने वाले डीएसपी दविंदर सिंह के साथ गिरफ्तार हुआ था। एनआईए ने साफ तौर पर कहा भी था कि तारिक़ अहमद मीर दविंदर सिंह का सहयोगी है। यदि दविंदर सिंह के मामले की ढंग से जांच होती तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता लेकिन जांच बीच में ही रोक दी गई।पवन खेड़ा ने कहा कि साल 2017 में मध्यप्रदेश की वो घटना आपको याद होगी जब एटीएस की टीम ने अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का पर्दाफाश करते हुए ढ्रस्ढ्ढ के 11 संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इनमें एक बीजेपी आईटी सेल का सदस्य ध्रुव सक्सेना भी शामिल था। जिसकी राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ तस्वीर वायरल हुई थी। पवन खेड़ा ने कहा कि इसके 2 साल बाद मध्यप्रदेश में बजरंग दल के एक नेता बलराम सिंह की गिरफ्तारी टेरर फंडिंग के आरोप में हुई थी।

इंदौर में जमकर बरसे बादल, शहर तरबतर चार घंटे में साढ़े चार इंच बारिश दर्ज

इंदौर। शहर में नगर निगम चुनाव के एक दिन पहले बादल दोपहर बाद जमकर बरसे। मंगलवार सुबह से ही कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी हो रही थी और सूरज बादलों की ओट में ही छुपा था। दोपहर 11.30 बजे से शहर में झमाझम वर्षा शुरू हो गई। कुछ ही देर में सड़कों पर जलजमाव होना शुरू हो गया था। मौसम विभाग के अनुसार शहर में शाम तक तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। दक्षिणी पूर्वी मध्य प्रदेश पर बने कम दबाव का क्षेत्र के कारण इंदौर में गरज चमक के साथ तेज वर्षा हो रही। सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक शहर में साढ़े चार इंच (109 मिमी) बारिश दर्ज की गई।

तेज वर्षा के कारण दृश्यता भी कम हो गई थी, जिसके कारण वाहन चालकों को लाइट शुरू करना पड़ी थी। बारिश के कारण सड़कों पर जलजमाव हो गया। ऐसा लग रहा था कि सड़कों पर नदी बह निकली। सड़कों पर कहीं कहीं घुटनों तक पानी भर गया था और वाहन विशेषकर दो पहिया वाहन बंद हो रहे थे।

नगर निगम चुनाव के दौरान 6 जुलाई को इंदौर में वर्षा बाधक नहीं बनेगी। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इंदौर में बुधवार को दोपहर बाद हल्की वर्षा का दौर कुछ स्थानों पर दिखाई दे सकता है। सोमवार को शहर में दिनभर बादल छाए रहे और दोपहर बाद विजयनगर, खंडवा रोड सहित शहर के अलग-अलग हिस्सों में कुछ देर के लिए हल्की वर्षा हुई। मंगलवार को सुबह कई जगह हल्की वर्षा हुई और बादल छाए रहे।

एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र पर सोमवार शाम 5.30 बजे तक 0.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई। सोमवार को शहर में अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज किया गया।

पन्ना जिले के पवई जनपद पंचायत सीईओ निलंबित

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के पवई जनपद पंचायत के सीईओ को निलंबित कर दिया गया है। सीईओ प्रसन्न चक्रवर्ती को पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता, कर्तव्यविमुखता, गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार संभागायुक्त मुकेश शुक्ला ने यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के तहत की है। निलंबन अवधि में चक्रवर्ती का मुख्यालय कार्यालय जिला पंचायत निवाड़ी निर्धारित किया गया है। जनपद पंचायत पवई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चकवर्ती द्वारा किये गए भ्रष्टाचार के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु जांच समिति का गठन कर जॉच प्रतिवेदन चाहा गया था।

सोने में अपवर्ड ट्रेंड जारी, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के भावों में लगातार बढ़ता का रुख बरकरार है. एमसीएक्स सोना अगस्त वायदा पिछले बंद से 0.12त्न यानी 65 रुपये की तेजी के साथ दो महीने के उच्च स्तर 52, 187 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता हुआ देख गया है. चांदी सितंबर वायदा 0.49त्न बढ़कर 58,774 रुपये पर कारोबार करता हुआ देखा गया है.

बता दें, पिछले कुछ महीनों में सोने पर दबाव रहा है, क्योंकि दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के अपने प्रयास में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है. भारत में पीली धातु शुक्रवार तक सीमित दायरे में कारोबार करती हुई देखी गई थी. इसके बाद सरकार द्वारा आयात शुल्क में बढ़ोतरी से

कीमती धातु में बढ़त देखी गई है।

बता दें, सोमवार को सोना अगस्त वायदा 52,122 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. वहीं, एमसीएक्स चांदी सितंबर वायदा 58,488 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था. वैश्विक बाजारों में सोने का भाव 1,809.45 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा.नई दिल्ली, मुंबई, केरल हैदराबाद और कोलकाता में 22 कैरेट सोने के रेट 48,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं. पुणे और अहमदाबाद में 22 कैरेट सोने के रेट 48,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता हुआ देखा गया है।

30 नाटो सहयोगियों ने स्वीडन और फिनलैंड के लिए एक्सेशन प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए

रूस के साथ अब चीन की भी होगी घेराबंदी

ब्रसेल्स। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के तीस सहयोगी देशों ने स्वीडन और फिनलैंड के लिए एक्सेशन प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं। नाटो के राजदूतों ने मंगलवार को फिनलैंड के विदेश मंत्री पेक्का हाविस्टो और स्वीडिश विदेश मंत्री एन लिंडे की उपस्थिति में नाटो मुख्यालय में फिनलैंड और स्वीडन के लिए एक्सेशन प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए।

नाटो महासचिव ने बताया 'ऐतिहासिक' क्षण

नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा, 'फिनलैंड, स्वीडन, नाटो और हमारी साझा सुरक्षा के लिए यह वास्तव में एक ऐतिहासिक क्षण है।'

पिछले सप्ताह मैड्रिड शिखर सम्मेलन में नाटो के मित्र देशों के नेताओं ने तुर्की, फिनलैंड और स्वीडन के बीच एक त्रिपक्षीय ज्ञापन के समझौते के बाद फिनलैंड और स्वीडन को संगठन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने पर सहमति व्यक्त की थी।

यूरोपीय लोकतंत्रों के लिए खुला है नाटो का दरवाजा

नाटो के महासचिव ने कहा कि नाटो का दरवाजा यूरोपीय लोकतंत्रों के लिए खुला है जो हमारी साझा सुरक्षा में योगदान देने के लिए तैयार और इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि 32 देशों के साथ हम और भी मजबूत होंगे और हमारे लोग और भी सुरक्षित होंगे, क्योंकि हम दशकों में सबसे बड़े सुरक्षा संकट का सामना कर रहे हैं।

नाटो मुख्यालय में हुई थी एक्सेशन वार्ता

फिनलैंड और स्वीडन ने सोमवार (4 जुलाई) को ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में एक्सेशन वार्ता पूरी की। दोनों देशों ने औपचारिक रूप से नाटो सदस्यता की राजनीतिक, कानूनी और सैन्य दायित्वों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की अपनी इच्छा और क्षमता की पुष्टि की थी।

वार्ता नाटो के अधिकारियों और फिनलैंड और स्वीडन के प्रतिनिधियों के बीच आयोजित की गई थी। फिनिश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री पेक्का हाविस्टो और रक्षा मंत्री एंट्टी कैकोनेन ने किया और स्वीडिश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एन लिंडे ने किया था।

उधर, 24 फरवरी को रूस की ओर से युद्ध के ऐलान के बाद नाटो ने उसकी चौतरफा घेराबंदी की है। सैन्य संगठन की नजरें अब चीन की ओर टिकी हुई हैं। पिछले सप्ताह मैड्रिड में हुई नाटो की बैठक में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी हिस्सा लिया था।

महाराष्ट्र में कोरोना के 1515 नये मामले, तीन की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामलों के घटते-बढ़ते क्रम में पिछले 24 घंटों में 1515 नये मामले सामने आये तथा तीन और मरीजों की मौत हो गयी।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक नये मामलों के साथ कुल संक्रमितों का आंकड़ा 79,86,811 हो गया है जबकि इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,47,943 हो गयी है। इसी अवधि में 2062 मरीज स्वस्थ हुए हैं और इसके साथ ही कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 78,16,933 हो गयी है।

राज्य में अभी 21,935 सक्रिय मामले हैं और इसके मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

नरवा संवर्धन हमारी पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिला, पर्यटन की संभावना अधिक
- मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिलाः पर्यटन की संभावना अधिकमुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सुराजी गांव योजना में नरवा संवर्धन को पहली प्राथमिकता में रखा गया है। नरवा संवर्धन से वाटर रिचार्ज होगा और भू-जल स्त्रोत पुनर्जीवित होंगे। स्थानीय लोगों की निस्तारी की समस्या का समाधान होगा, साथ ही सिंचित रकबे में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा सिंचाई रकबा बढ़ाने और निस्तारी पानी की व्यवस्था के लिए सोलर सिस्टम को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह बात आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के ग्राम गौरेला में आयोजित जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित विद्यार्थियों का अधिक से अधिक संख्या में जाति प्रमाण पत्र स्कूल से ही जारी किया जाए। इसके लिए शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। विशेष रूप से 9वीं और 10वीं कक्षा के बच्चों का जाति प्रमाण पत्र अवश्य बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ समय पर निराकरण करें। अविवादित नामांतरण, बंटवारा के निस्तारण में निश्चित प्रक्रिया का पालन करते हुए भुइयां पोर्टल में दर्ज अवश्य करें, साथ ही 170 'ख' के राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण भी करें। इससे राजस्व रिकॉर्ड अपडेट रहेगा और भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नए जिले में काम का अवसर अधिक है, सभी अधिकारी मिलकर कार्य करें। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिला है। यहां अन्य जिलों की तुलना में पर्यटन की संभावना अधिक है, उन्होंने राजमेरगढ़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मुख्यमंत्री ने वनाधिकार पट्टा, बिजली कटौती सहित अन्य स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में विधायक डॉ. के.के. ध्रुव, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सचिव ऊर्जा श्री अंकित आनंद सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा गया कि बड़े पैमाने पर मनरेगा के तहत कुएं का निर्माण करें। इससे निस्तारी एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहेगा और गांव में ही रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में गौठान बनाया जा रहा है। इन गौठानों को रूरल इंडस्ट्रीज पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। जहां लाख, वन औषधि सहित अन्य स्थानीय उत्पादों का प्रसंस्करण होगा। इसके लिए गौठान में बड़े पैमाने पर तेल मिल और हालर मिल उपलब्ध कराया जाए। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि आम जनता की आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजें। मुख्यमंत्री ने गौठान में चारा उत्पादन को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक संख्या में स्व-सहायता समूह को स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मोर आखर और स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट की शुरूआत की

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात दौरे के तहत गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में आज दो नवाचार कार्यक्रम मोर आखर और स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट की शुरूआत की। मोर आखर कार्यर्क्रम गौरेला और पेण्ड्रा विकासखण्ड के 299 प्राथमिक शालाओं में क्रियान्वित की जाएगी, जो प्राथमिक शालाओं के बच्चों की प्रारंभिक भाषा शिक्षा में सुधार लाने, बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता को अधिक प्रभावी बनाने की पहल है। दूसरा कार्यक्रम स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट के तहत खेल के माध्यम से जिले को 543 प्राथमिक शालाओं के बच्चों को प्रायोगिक एवं व्यवहारिक पद्धति से तैयार किया जाएगा, ताकि उनमें तेजी से सीखने के कौशल के साथ-साथ स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक विकास और उनकी जीवन शैली में सुधार लाया जा सके। गौरतलब है कि दुनिया के 50 देशों में व्यवहारिक शिक्षा की इस पद्धति का सफल प्रयोग किया जा चुका है।

कोरोना काल में स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चों में सीखने की क्षमता में कमी आई है। इसे देखते हुए मोर आखर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया है, जो बच्चों में पढ़ने की क्षमता और पढ़ने की आदत में वृद्धि करने में सहायक होगा। इसी तरह स्पोर्ट्स ऑफ डेव्हलपमेंट गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सभी स्कूलों में शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य शारीरिक व मानसिक विकास करना और खेल-खेल में बच्चों की सीख बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा उपयुक्त, उम्र उपयुक्त और बालक-बालिकाओं को खेल में समान अवसर प्रदान किया जाना शामिल है। यह दोनों कार्यक्रम यूनिसेफके सहयोग से संचालित किए जाएंगे।

दो साल से गिरवी रखे खेत को गोधन न्याय योजना से मिले पैसे की मदद से छुड़ाया

- ग्राम सिंघारी निवासी श्रवण कुमार यादव ने दो साल में कमाए डेढ़ लाख रुपए से अधिक की राशि

रायपुर/नवप्रदेश। हमर कका भूपेश बघेल के गोबर खरिदि के योजना बने है एखर से मोर परिवार हा कर्ज से उबर गइस मै हा कभो नहीं सोचे रेहेव के गोबर बेच के अतेक पैसा कमाहूं के मोर जिन्दगी बदल जाही। मै हा 2020 के जेठ में अपन घर के जरूरत बर कृषि भूमि गिरवी रखे रेहेव । उ हा मै ऐ साल 2022 के जेठ महिना मा छुड़ा लेव अपन घर के जरूरत पूरा करे के बाद भी । अउ ये सब मै गोधन न्याय योजना में जुड़ के गोबर बेचे के फायदा होइस। यह बातें हम नहीं विकासखंड बोडला के ग्राम पंचायत सिंधारी निवासी श्रवण कुमार यादव कहते हैं जो गोबर बेचकर डेढ़ लाख रुपए से अधिक की आमदनी कमाए हैं। गोधन न्याय योजना से फायदा उठाने वाले ऐसे बहुत से हितग्राहियों में से एक श्रवण कुमार यादव आगे कहते हैं कि मोर पास 1 एकड़ कृषि भूमि हवे। जेखर मे 45 हजार रुपए में गिरवी रखे हावे, अब मोर पास पैसा आ गईस एकर सेती मैं अपन जमीन ल गिरवी से मुक्त करा लेव। ऐसे ही मोर बाई के गहना भी मुक्त कराए के साथ धान के बुवाई बर पैसा लगाए रह, 15 हजार रुपए के भूमि समतलीकरण 2 हजार रुपए के बर्तन खरीदे और मोर आर्थिक स्थिति में बने सुधार हो गईस अब मोला अपन जरूरत बर साहूकार से पैसा लेने के कौनौ जरूरत नहीं। मोर एक आख काम नही करत हावे ओखर बाद भी मै हा अपन परिवार के जरूरत योजना के सहायता से थे पूरा करत हावे। मोर शारीरिक कमजोरी मोर काम में अब अड़ंगा नहीं रिहीस।

गौठन बन रहे उन्नति का केंद्र: कलेक्टर कबीरधाम

गोधन न्याय योजना से ग्रामीणों को हो रहे लाभ के संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर कबीरधाम जन्मेजय महोबे बताते हैं कि जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में गौठान का निर्माण कराया गया है और गौठानो को आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में सभी गौठनो में ग्राम गौठन प्रबंधन समिति के द्वारा गोबर खरीदी किया जाता है। खरीदी किए गए गोबर के आधार पर हितग्राही को राशि शासन द्वारा उनके बचत खाते में अंतरित की जाती है। यही कारण है कि इस योजना से ग्रामीणों को आर्थिक रूप से बहुत लाभ मिल रहा है।

हितग्राही श्री श्रवण कुमार यादव के संबंध में जानकारी देते हुए श्री भागवत धुर्वे सचिव ग्राम पंचायत सिंधारी एवं ग्राम गौठान प्रबंधन समिति बताते हैं कि अगस्त 2020 से श्रवण कुमार द्वारा ग्राम के गौठन में गोबर बेच रेह है। इनके द्वारा अब तक 75174 किलोग्राम गोबर विक्रय किया गया है जिसके एवज में 150348 रुपए इन्हें शासन से जारी किया गया है। श्रवण कुमार मूल रूप से गरीबी रेखा के नीचे आते हैं और इनका गोबर विक्रय का पैसा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा सिंधारी में इनके बचत खाते में प्राप्त होता है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री संदीप कुमार अग्रवाल चर्चा करते हुए बताते हैं कि सिंधारी निवासी श्री श्रवण कुमार यादव की आर्थिक स्थिति में पहले से बहुत सुधार हुआ है। वह अपने बच्चों का लालन-पालन अच्छे से कर रहे हैं, अपनी गिरवी रखी जमीन और गहना को मुक्त करा लिये है घर का सामान आदि की पूर्ति हो रही है और यह सब काम बहुत ही अल्प समय दो वर्ष में हुआ है।

खेत से निकल रही गैस

- ग्राम पिहरीद के किसान के खेत में अचानक गैस निकलने से ग्रामीण हैं हैरान

जांजगीर चांपा/ नवप्रदेश। मालखरौदा ब्लाक के ग्राम पिहरीद के किसान लक्ष्मीनारायण जाटवर के खेत में मंगलवार की सुबह अचानक गैस निकलने से ग्रामीण हैरान हैं। सुबह लक्ष्मीनारायण अपने खेत पहुंचे तो एक जगह से पानी निकल रहा था। उसने मिट्टी हटाई तो पानी निकलना बंद हो गया और गैस निकलने लगी। गैस काफी ठंडी थी। इसकी सूचना प्रशासन को तुरंत दी गई। सूचना पर एसडीएम रैना जमील ने जहरीली गैस की आशंका पर खनिज विभाग को खेत में बैरीकेडिंग करने और लोगों को वहां जाने से रोकने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम पिहरिद में 10 जून को राहुल साहू बोरवेल में 60 फीट नीचे गिर गया था और पांच दिन तक रेस्क्यू के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद पिहरीद गांव चर्चा में आ गया था। मंगलवार को खेत में गैस निकलने से एक बार फिर गांव की तरह लोगों का ध्यान खींचा है। प्रशासन के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम वहां पहुंची है, खेत में निकल रहे गैस की जांच कर रही है।

खनिज विभाग की टीम किसान लक्ष्मीनारायण जाटवर के खेत से लगे आसपास की जमीन की भी जांच कर रही है। वहां की मिट्टी जांच के लिए इकट्ठी की जा रही है। किसान ने बताया कि उसके खेत से कोई पाइपलाइन भी नहीं गुजरी है। ऐसे में ग्रामीण भी अचरज में हैं कि आखिर जमीन से गैस अपने कैसे निकल रही है। इधर लोग कौतूहलवश उसे देखने पहुंच रहे हैं। कुछ ग्रामीण तो इसे चमत्कार मानकर पूजा अर्चना भी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तेज प्रेशर के साथ यह गैस निकल रही है और यह गैस ठंडी है।

6.21 लाख रुपए खर्च 2.859 हेक्टेयर में लगाए गए पौधे गायब

- मनरेगा से हुआ था पौधारोपण, काजू बाड़ी में बचे केवल पलाश के पेड़

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। जिले में काजू की खेती को बढ़ावा देने मनरेगा से लाखों रुपए खर्च कर काजू के पेड़ लगाए गए। शुरूआत में इसकी सफलता को लेकर खूब वाहवाही अफसरों ने लूटीं, लेकिन कुछ समय बाद अफसर इसे झांकने तक नहीं पहुंचे। नतीजा आज काजू बाड़ी का नामोनिशान मिट चुका है। यह कारनामा उद्यानिकी विभाग का है। अब अधिकारी पूर्व का कार्य होना बताकर जांच की बात कह रहे। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिरईपानी में 2.859 हेक्टेयर शासकीय भूमि काजू के खेती के लिए उपलब्ध कराया गया था जिसमें 13 जुलाई 2020 को मनरेगा मद से 6.21 लाख की स्वीकृति लेकर बड़ी संख्या में काजू के पौधे लगाए गए थे। चिह्नित जमीन की चारों ओर से फेंसिंग भी कराया गया था लेकिन पौधे लगाने के बाद समुचित सिंचाई करना भूल गए और पानी के अभाव में काजू के पौधे सूख गए। काजू बगान के भीतर सिंचाई करने बोर, तालाब या अन्य पानी का कोई साधन उपलब्ध नहीं था। जबकि उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी की देखरेख में कोरिया में काजू की खेती करने पहला एक्सपेरिमेंट हुआ था। लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण काजू की खेती का एक्सपेरिमेंट फेल हो चुका है। हालांकि उद्यानिकी विभाग को तीन साल में काजू की खेती करना था, लेकिन उदासीन रवैय्ये के कारण दो साल में ही प्रोजेक्ट फ्लॉप हो गया है। फिलहाल प्रोजेक्ट का सही क्रियान्वयन करने सिर्फ एक साल बचा है। जिसमें उद्यानिकी विभाग दोबारा काजू के नए पौधे लगवा सकता है। किन्तु लाभ कब मिलेगा इसका जवाब विभाग के पास भी नही हैं।

एक पेड़ से 15 किलो तक उत्पादन

जानकारी के अनुसार काजू के एक पेड़ से 12-15 किलो तक उत्पादन हो सकता है। एक एकड़ भूमि पर लगभग 150 पेड़ लग जाते हैं। उस हिसाब से चिरईपानी की चिह्नित जमीन पर 1050 से अधिक काजू के पौधे लगाने की तैयारी थी। पौधे में डालने के लिए मात्र गोबर की खाद का उपयोग होता है। जिसमें 8 से 10 रुपए प्रति पौधे के हिसाब से गोबर खाद का खर्च आने की बात कही जा रही है।

काजू बगान में अब पलाश के पेड़

ग्राम पंचायत चिरईपानी में चिह्नित 2.859 हेक्टेयर शासकीय जमीन में सिर्फ चारों ओर पलाश के बड़े पेड़ व पौधे बच गए हैं। वहीं काजू बगान परिसर में छोटी-छोटी क्यारी सूखे पड़े हैं। जिसमें काजू के पौधे लगाए जाने थे। बगान में काजू सहित अन्य पौधों की सिंचाई करने समुचित व्यवस्था नहीं है। वहीं दूसरी ओर काजू की खेती के लिए तीन साल समय निर्धारण हुआ था। इस दौरान वर्ष 2020/21 में लापरवाही के कारण सफ लता नहीं मिली है।

> मुझे जिले में आये सप्ताह दिन ही हुए हैं। काजू की खेती के संबंध में स्टॉफ से जानकारी लेकर ही कुछ बता पाउंगा।
>
> **वी त्रिपाठी, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग।**

स्कूल भवन 4 साल से अधूरा, इस दौरान बदल गए 2 कलेक्टर

- 3 बार स्कूल भवन बनाने के लिए 3 बार समयावृद्धि भी हुई

सुकमा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक स्कूल भवन पिछले 4 सालों से निर्माणाधीन है। इस दौरान जिले में 2 कलेक्टर आये और गए, पर स्कूल भवन का निर्माण पूरा नहीं हो पाया। वहीं ठेकेदार को बिल्डिंग बनाने के लिए 3 बार समयावधि मिल चुका है जिससे विभागीय अफसरों की कार्यशैली को लेकर सवाल उठ रहे। सुकमा जिला मुख्यालय का हैं, जहां पुराने हाई स्कूल को तोड़कर नए भवन निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। उक्त निर्माण कार्य को लोक निर्माण विभाग द्वारा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भवन निर्माण मेसर्स एसएसके कंस्ट्रक्शन को 2019-20 में 93/डी एल के तहत अनुबंध किया गया था। इस कार्य को पूर्ण करने का 8 माह यानी 24/11/2020 तक विभाग द्वारा समयावधि प्रदान किया गया था। लेकिन बीते 4 सालो से प्रशासकीय नियमावली व शर्तों को दरकिनार कर ठेकेदार एस एस के कंस्ट्रक्शन द्वारा कार्य निर्माणाधीन हैं। नियमित समयावधि में कार्य होने होने के स्थिति में कोरोना काल का हवाला देते हुए ठेकेदार द्वारा कार्य पूर्णता के लिए अतिरिक्त समय विभाग से मांगा गया। विभाग से मिले समयावृधि के बाद भी कार्य अब तक अपूर्ण हैं।नतीजा ये की सैकड़ों की संख्या में बच्चो को शिक्षा विभाग द्वारा कुम्हाररास के कलेक्टर परिसर के साकार के जर्जर भवन में वैकल्पिक व्यवस्था कर शाला संस्थान संचालन किया जा रहा हैं।

ठेकेदार कर रहा है मनमानी : विभागीय आदेश को ठेकेदार द्वारा अवहेलना किया जा रहा है। विभाग द्वारा ठेकेदार को 28/04/2022 के आदेश क्रमांक 1245/आ.सुकमा/ 2022-23 को अपूर्ण कार्य के संबंध में नोटिस जारी कर तीव्रगति के साथ अधूरे निर्माण कार्य को तकनीकी प्रावधानों के अनुरूप गुणवत्ता पूर्वक 15/06/2022 शिक्षा सत्र तक कार्य को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने का निर्देशित किया गया था।

तीन बार विभागीय नोटिस के बाद भी कार्य अपूर्ण

ठेकेदार द्वारा सुकमा मुख्यालय के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को तीन बार जारी विभागीय नोटिस के बाद भी 4 सालो में पूरा नहीं किया जा सका है। बता दे की विभाग ने ठेकेदार को 8 माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने के अनुबंध पर 17/08/2020 को पहला आदेश जारी किया था। इसके बाद 24/09/2021 से 24/03/2022 तक द्वितीय समयवृद्धि दिया गया था। लेकिन ठेकेदार की गैरजिम्मेदाराना रवैया देख विभाग ने 28/04/2022 को अंतिम नोटिस जारी कर 15/06/2022 शिक्षा सत्र के अंतिम तृतीय समयवृद्धि तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही धीमी कार्य प्रगति को लेकर विभाग से ठेकेदार से जवाब भी मांगा जो की असंतोषप्रद था। बावजूद इसके ठेकेदार द्वारा कार्य आज भी लंबित हैं। विभागीय अधिकारी धनराज कोर्राम द्वारा जारी विभागीय पत्र में विभाग ने समयावधि में कार्य पूर्ण नही होने की स्थिति में विभाग ठेकेदार पर अनुबंध को निरस्त करने का कार्यवाही विभाग द्वारा किया जाएगा।